हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 12 अप्रैल 2026

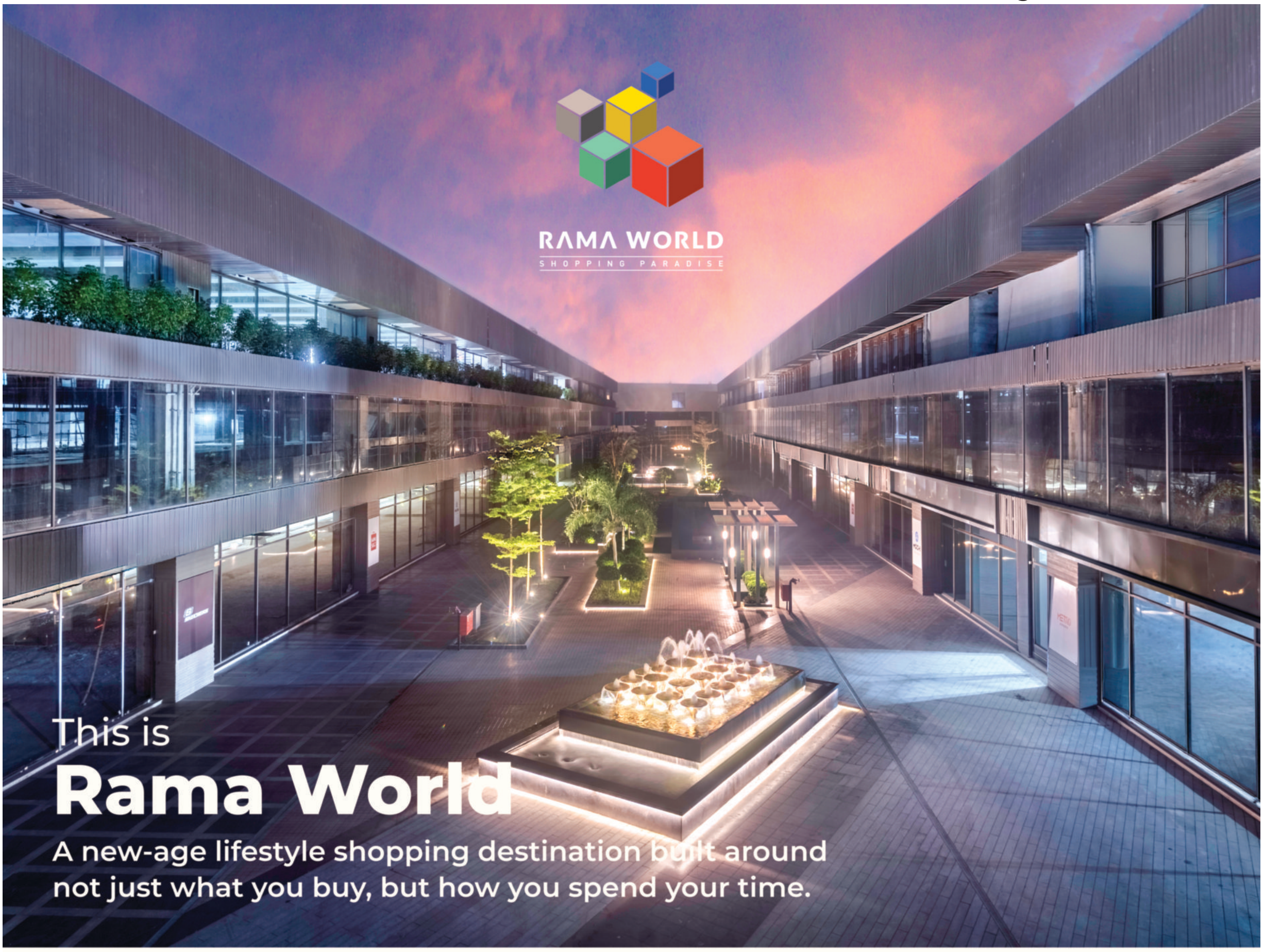

Now Open.

the Neighbourhood

CHOWPATTY

A pure-**veg food** lane crafted for your daily rituals from comforting chaat to indulgent asian bites and refreshing mocktails. **Open from 8 AM to 11 PM.**

RASVI
THE ART OF TRUE INDULGENCE

The most refined dessert destination, offering exclusive **sweets,** artisanal **chocolates,** curated gifting, and an elegant café experience.

RAMA GROUP
Building a Better Tomorrow

9039042500/ 9039042501
Rama World, Vidhan Sabha Rd, Near MGM Eye Hospital,
Ama Seoni, Chhattisgarh - 492014

PCGRERA301220001173
https://rera.cgstate.gov.in/

आनंद का सच्चा भाव*

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹112910/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹137900/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹150531/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

ANAND Jewels

Pandri, Raipur

देश में पहली बार...

10 किलो का ट्यूमर, 15 साल बाद आंबेडकर अस्पताल में मिली मुक्ति

सबसे वजनी लिपोमा सर्जरी का देश में पहला केस, अब तक 8 किलो का हुआ था निष्कासन

डा. संतोष सोनकर, चिकित्सा अधीक्षक

डा. मंजू सिंह, विभागाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि खास

झोलाछाप डाक्टरों के चक्कर में पीठ पर साढ़े 10 किलो का ट्यूमर लेकर घूम रहे मरीज को 15 साल बाद इससे आंबेडकर अस्पताल के जनरल सर्जरी विभाग में मुक्ति मिली। मरीज इस ट्यूमर की वजह से शारीरिक के साथ सामाजिक बहिष्कार के कारण मानसिक पीड़ा भी भोग रहा था। जांजगीर-चांपा में रहने वाले इस 45 वर्षीय मरीज के इस ट्यूमर को देश में सबसे बड़ा माना जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि मेडिकल लिटरेचर में अब तक 8 किलो वजनी ट्यूमर निकालने का उल्लेख है।

ट्यूमर की वजह से असामान्य हो चुके जीवन की पीड़ा से त्रस्त मरीज अपनी समस्या लेकर इलाज के लिए आंबेडकर अस्पताल पहुंचा था। चिकित्सकों को मरीज ने बताया था कि 15 साल पहले गले के पिछले हिस्से में गांठ बनी ▶▶| शेष पेज 6 पर

उठना-बैठना तक था मुश्किल

पंद्रह साल में उम्र की तरह बढ़कर साढ़े 10 किलो वजनी इस ट्यूमर की वजह से उसकी सामान्य जीवनचर्या भी प्रभावित होने लगी थी। धीरे-धीरे स्थिति ऐसी हो गई कि मरीज को चलने-फिरने, बैठने-उठने, सोने के साथ दैनिक जीवन के सामान्य कार्यों तक में अत्यधिक कठिनाई होने लगी थी। वह केवल शारीरिक कष्ट ही नहीं, बल्कि इतने बड़े ट्यूमर के कारण उसे मानसिक पीड़ा, सामाजिक असहजता और आत्मविश्वास में कमी जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ रहा था।

अमेरिका-ईरान समझौते पर टिकी दुनिया की नजर

- खामोश उड़ान में गूंजीं 168 मासूमों की यादें, खाली सीटों ने बयां किया दर्द
- लड़ाकू विमान एफ-16 की सुरक्षा में इस्लामाबाद पहुंचे जेडी वेंस

पाकिस्तान में शांति समझौते को लेकर वार्ता, विमान में दर्द लेकर पहुंचा ईरान

ईरान जंग के बाद अब शांति की कोशिशें तेज हो गई हैं। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अमेरिका, ईरान और पाकिस्तान के बीच त्रिपक्षीय बातचीत हुई। शांति समझौते के लिए ईरान ने शर्त रखी शर्त, वहीं इजरायल ने हिजबुल्ला के साथ युद्धविराम वार्ता से इंकार कर दिया है। इस बीच, ईरान से इस्लामाबाद पहुंचा एक विमान इन दिनों चर्चा में है। इस विमान के अंदर की तस्वीरें एक स्कूल पर हुए हमले में 168 मासूम बच्चियों की जान चली गई थी।

एजेंसी ▶▶| इस्लामाबाद

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच इस्लामाबाद में शांति वार्ता को लेकर नई हलचल देखने को मिल रही है। क्षेत्रीय स्थिरता बहाल करने के प्रयासों के तहत विभिन्न पक्षों के बीच बातचीत की संभावना जताई जा रही है, जबकि जमीनी हालात अभी भी बेहद संवेदनशील बने हुए हैं। हालांकि लेबनान को लेकर स्थिति अभी भी तनावपूर्ण है। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अमेरिका, ईरान और पाकिस्तान के बीच अहम त्रिपक्षीय बातचीत हुई। यह बातचीत ऐसे समय हो रही है जब हाल ही में हुए सीजफायर के बाद क्षेत्र में शांति कायम रखने की कोशिशें तेज हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी कहा, बातचीत आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है। सूत्रों के ▶▶| शेष पेज 6 पर

ईरान की शर्तें

- होर्मुज जलडमरूमध्य पर पूरा नियंत्रण, ईरान ने इस रणनीतिक जलमार्ग पर अपनी संप्रभुता की मांग की है
- युद्ध का पूरा मुआवजा, हमले के लिए जिम्मेदार पक्ष से नुकसान की भरपाई की मांग
- जब्त संपत्तियों की बिना शर्त रिहाई, विदेशी बैंकों में फंसी अरबों डॉलर की रकम लौटाने की मांग
- पूरे पश्चिम एशिया में स्थायी युद्धविराम, लेबनान सहित पूरे क्षेत्र में शांति की शर्त

संयुक्त राष्ट्र ने शांति वार्ता का किया स्वागत: इस बीच संयुक्त राष्ट्र ने इस पहल का स्वागत किया है। महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने दोनों पक्षों से अपील की है कि वे इस अवसर का उपयोग करते हुए स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में आगे बढ़ें। संयुक्त राष्ट्र ने जोर देकर कहा कि अंतरराष्ट्रीय विवादों का समाधान केवल कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत ही संभव है।

इजरायल ने हिजबुल्ला के साथ युद्धविराम वार्ता से किया इंकार

इस्राइल और लेबनान के बीच आने वाले दिनों में बातचीत पर सहमति बनी है। हालांकि इस्राइल ने हिजबुल्ला के साथ युद्धविराम वार्ता से इंकार कर दिया है। दोनों देशों के बीच तनाव के बावजूद बातचीत की पहल को सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

लेबनान और इजरायल में बढ़ा तनाव

हिजबुल्ला ने दावा किया है कि उसने दक्षिणी लेबनान में इजरायली सैनिकों को निशाना बनाया। समूह के अनुसार, शनिवार तड़के करीब 1:40 बजे (स्थानीय समय) उसने टायर क्षेत्र के शामा कस्बे में एक घर में मौजूद इजरायली सैनिकों पर हमला किया। इसके अलावा, हिजबुल्ला ने यह भी कहा कि उसने मध्यरात्रि के तुरंत बाद इजरायल के किर्यात शमोना, मेटुला और मिसगाव आम जैसे इलाकों पर रॉकेटों की बौछार की।

ऐसी श्रद्धांजलि

दुनिया को दिया संदेश

ईरानी विमान में तस्वीरों में दिख रही मासूम मुस्कानें, स्कूल बैग और फूल इस बात का प्रतीक हैं कि ये बच्चे भी आम जिंदगी जी रहे थे, सपने देख रहे थे। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की घटनाएं सिर्फ राजनीतिक मुद्दा नहीं होतीं, बल्कि इंसानियत से जुड़ा सवाल खड़ा करती हैं। जब स्कूल जैसी सुरक्षित जगह भी निशाने पर आ जाए, तो यह पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन जाता है। यह विमान एक चलता-फिरता स्मारक बन गया।

भारत में संख्या बढ़कर 57 हुई

कूनो में आई खुशखबरी, चार शावकों की मां बनी 'गामिनी'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| श्योपुर

मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में कूनो नेशनल पार्क (केएनपी) में शनिवार को भारतीय मूल की एक मादा चीता 'गामिनी' ने जंगल में चार शावकों को जन्म दिया। इसके साथ ही देश में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 57 हो गई है। यह कूनो के जंगल में दर्ज किसी चीते का पहला जन्म है। सितंबर 2022 में शुरू हुए अंतर-महाद्वीपीय चीता पुनर्वास कार्यक्रम के बाद एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इस उपलब्धि को साझा करते हुए इसे भारत की चीता संरक्षण यात्रा का महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। कूनो में मौजूद सभी सात वयस्क मादा चीतों ने अब तक शावकों को जन्म दिया है। चीता पुनर्वास परियोजना के तहत सितंबर 2022 में नामीबिया से आठ चीतों को भारत लाया गया था, इसके बाद फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 चीतों का दूसरा जत्था आया। हाल ही में 28 फरवरी को बोत्सवाना से नौ चीतों का तीसरा दल भी लाया गया है।

भारतीय मूल की मादा चीता

खास बात यह है कि 'गामिनी' भारतीय मूल की मादा चीता है, जिससे यह उपलब्धि और भी ऐतिहासिक बन जाती है। वन विभाग के अनुसार गामिनी पिछले एक साल से अधिक समय से खुले जंगल में रह रही थी और उसने पूरी तरह प्राकृतिक परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढाल लिया था।

वंदे भारत में पथराव, खिड़की क्षतिग्रस्त केरल में पलक्कड़ के पास हुई घटना

एजेंसी ▶▶| पलक्कड़

केरल के पलक्कड़ में पत्थर फेंके जाने की घटना में एर्नाकुलम से बेंगलुरु जा रही वाली वंदे भारत ट्रेन की एक खिड़की मामूली रूप से क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना शुक्रवार को शाम करीब साढ़े चार बजे पलक्कड़ जिले में पराली के पास हुई। अधिकारी ने कहा, 'इस घटना में किसी को चोट नहीं आई लेकिन ट्रेन की एक खिड़की मामूली रूप से क्षतिग्रस्त हो गई।' उन्होंने बताया कि रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारी ने कहा, 'जांच के तहत जीआरपी और आरपीएफ की टीम पराली में मौजूद हैं।' उन्होंने कहा कि हो सकता है कि पत्थर मानसिक रूप से परेशान या नशे में धुत किसी व्यक्ति द्वारा फेंका गया हो।

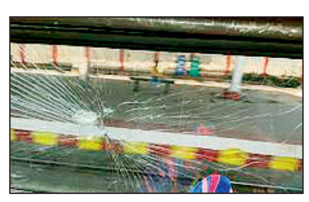

बीएसएफ जवान पर भीड़ का हमला, गोली मारकर हत्या

इंफाल। मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार को पेट्रोलिंग ड्यूटी पर तैनात बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) के एक कांस्टेबल की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अधिकारियों के मुताबिक कांस्टेबल मिथुन मंडल को शाम करीब 4:30 बजे गोली लगी। गोली लगने के बाद उन्हें तुरंत इंफाल के अस्पताल ले जाया गया, जहां शाम करीब 6 बजे उन्होंने दम तोड़ दिया। अधिकारियों ने बताया कि मिथुन मंडल पश्चिम बंगाल के भगजन टोला गांव के ▶▶| शेष पेज 6 पर

मणिपुर में फिर बिगड़े हालात

झगड़े के बाद हिंसा शुरू

हिंसा की शुरुआत 7 फरवरी की शाम उखरुल जिले के लितान सरेइखोंग में शराब के नशे में हुए झगड़े से हुई थी, जिसमें तांगखुल नागा समुदाय के स्टर्लिंग नाम के व्यक्ति के साथ मारपीट हुई थी। इसके बाद उपद्रवियों ने उखरुल जिले के लितान सरेइखोंग गांव में 25 घर और चार सरकारी क्वार्टर में आग लगा दी। हिंसा के बाद पूरे जिले में कर्फ्यू लागू कर दिया गया था। 10 फरवरी की सुबह 11:30 बजे से अगले पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई थीं। तांगखुल और कुकी जनजातियों के बीच हिंसक झड़प के बाद से इलाके में सुरक्षाबल मौजूद हैं।

ऐतिहासिक चंद्र यात्रा के बाद चार अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी

अब चांद पर होगी इंसानों की बस्ती

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

तालियों की गड़गड़ाहट और उत्साह के बीच नासा के 'आर्टेमिस-2' मिशन के चार अंतरिक्ष यात्री ऐतिहासिक चंद्र यात्रा पूरी करने के बाद प्रशांत महासागर में सुरक्षित उतर गए। यह 50 वर्षों से अधिक समय बाद चंद्रमा तक पहली मानव उड़ान है। अब नासा का लक्ष्य चंद्रमा पर मानव उतारने और वहां एक बस्ती बनाने का है। नासा के भारतीय मूल के सहायक प्रशासक अमित क्षत्रिय ने सैन डिएगो तट के पास शुक्रवार को पृथ्वी पर वापसी के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, चंद्रमा तक जाने का रास्ता खुल गया है।

अब आगे क्या

अब नासा का लक्ष्य चंद्रमा पर मानव उतारने और वहां एक बस्ती बनाने का है, जो भविष्य में मंगल और उससे आगे के मिशन के लिए 'लॉन्च पैड' बनेगा। यह चारों अंतरिक्ष यात्रियों के लिए शानदार यात्रा रही, जिसमें चंद्रमा के उस हिस्से को भी देखा गया जिसे पहले कभी मानव ने नहीं देखा था।

आर्टेमिस-3 मिशन जल्द

नासा ने कहा कि आर्टेमिस-3 मिशन जल्द ही आने वाला है और आर्टेमिस-2 से मिले अनुभवों का उपयोग आगे किया जाएगा। अमित क्षत्रिय वर्तमान में नासा के वरिष्ठ सलाहकार और मुख्य परिचालन अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। इससे पहले वह चंद्रमा से मंगल ग्रह कार्यक्रम में उप सहायक प्रशासक के पद पर भी रह चुके हैं।

SAWANSUKHA

Gold | Diamond | Jadau

ये सच है!

मेकिंग चार्जेस ज़ीरो* से शुरू

पुराना सोना एक्सचेंज करने पर पूरा मूल्य

*T&C Apply

मनायें अक्षय तृतीया • 12-20th अप्रैल

91470 75332

Raipur: Sadar Bazar

Kolkata | Siliguri

पार्किंग उपलब्ध

उतई थाना क्षेत्र की है घटना, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

दो घंटे तक बोरे के भीतर तड़पती रही मासूम जिसने किया अनाचार, उसकी बेटी 13 साल की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

हरिभूमि फॉलोअप

मासूम का अपहरण कर अनाचार करने वाला राक्षस पुलिस की गिरफ्त में है। आरोपी ने मासूम के साथ अनाचार कर उसे बोरे में बंद कर उसे खंडहर के पास फेंक दिया था। पांच साल की मासूम दो घंटे तक तड़पती रही। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने धारा 137(2), 65(2), 238, 109, 140(3) बीएनएस, धारा 4, 6 पॉक्सो एक्ट के तहत जुर्म दर्ज किया है।

खंडहर में मासूम बच्ची को बोरे में बंद कर फेका, अनाचार का प्रयास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

एएसपी मणिशंकर चंद्रा ने बताया कि घटना उतई थाना क्षेत्र की है, जहां शुक्रवार को पांच वर्षीय मासूम घर के पास दुकान जाने के लिए निकली थी। लेकिन देर तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने मासूम को खोजना शुरू किया। जानकारी नहीं मिलने पर अपहरण की शिकायत उतई पुलिस से किया। पुलिस के दबाव में आकर मासूम को खंडहर के पास बोरे में बंद मासूम को फेंक कर फरार हो गया था। पुलिस व ▶▶| शेष पेज 6 पर

खंडहर के पास बंद बोरी में मिली बच्ची

शुक्रवार की दोपहर गांव के दो युवकों की नजर खंडहर के पास पड़े एक बोरे पर नजर गई। उन्होंने देखा कि बोरा थोड़ा हिल रहा है। जब उन्होंने पास जाकर देखा तो बोरे के भीतर मासूम बच्ची अचेत अवस्था में पड़ी मिली। मासूम का मुंह तकिया कवर से बेरहमी से बांधा गया था, ताकि वह चिल्ला न सके। जब बच्ची को बाहर निकाला गया, तो वह पसीने से ▶▶| शेष पेज 6 पर

घर से चाकलेट लेने पास की दुकान गई थी

मासूम बच्ची सुबह स्कूल से लौटी ही थी। इसके बाद वह पास की ही एक दुकान पर चॉकलेट खरीदने के लिए घर से निकली थी। तभी आरोपी धनेश्वर साहू मौजूद था। वह बच्ची को पहले से जानता था, आरोपी ने बच्ची को चॉकलेट दिलाने के नाम पर बहला-फुसलाकर अपने घर लेकर गया। जहां मौका पाते ही मासूम के साथ अनाचार किया। जब बच्ची काफी देर तक घर नहीं लौटी, तो परिजनों ने आसपास तलाश शुरू की। धीरे-धीरे पूरा गांव बच्ची को ढूंढने में जुट गया।

ईरान और अमेरिका के मध्य युद्धविराम समझौते का बाकायदा ऐलान हो जाने के तत्पश्चात ऐसा प्रतीत हो रहा था कि मध्य एशिया संभवतः विनाशकारी युद्ध से मुक्ति पा ही जाएगा, किंतु प्रस्तावित कूटनीतिक वार्ता में प्रबल अवरोध उत्पन्न हो जाने के कारण और ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट को नहीं खोले जाने से अब ऐसा दिखाई दे रहा है कि सुधरते हुए हालात फिर से बिगड़ने लगे हैं। इजराइल के द्वारा अंजाम दिए गए आक्रमणों के चलते युद्ध विराम समझौते के भविष्य पर विकट सवाल खड़े कर दिए हैं। इस बीच, पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद आजकल अंतरराष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में है। यहां ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता केवल एक सामान्य कूटनीतिक बैठक नहीं, बल्कि मध्य पूर्व के बदलते समीकरणों का निर्णायक मोड़ मानी जा रही है। पाक के लिए यह एक बड़ी परीक्षा है, जिसमें उसकी कूटनीतिक क्षमता और सुरक्षा व्यवस्था दोनों की कसौटी परख ली जाएगी। उधर, जहां तक भारत का सवाल है तो ईरान पर हमले के पहले तक भारत आयात होने वाले कच्चे तेल के आधे हिस्से की आपूर्ति इसी रास्ते होती थी। इससे भारत की चिंताएं बढ़ना स्वाभाविक थी। भारत ने ना सिर्फ होमुर्ज के जरिए अपनी आपूर्ति को बनाए रखने की कूटनीतिक कोशिशें जारी रखीं, बल्कि वैकल्पिक रास्ते की भी तलाश तेज कर दी। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

युद्ध विराम के कगार पर खड़ी जंग

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय
विदेशी मामलों के जानकार

इजराइल और ईरान के मध्य सैन्य संघर्ष की पृष्ठभूमि में फ़िलिस्तीन की जटिल समस्या विद्यमान रही है। प्रारम्भिक काल में इजराइल के अस्तित्व को अरब देशों द्वारा कदाचित स्वीकार नहीं किया गया था। अनेक युद्धों में पराजित होने के बाद प्रायः सभी अरब देशों ने इजराइल से समझौता कर लिया। 1978 में ईरान में इस्लामिक इंकलाब के बाद फ़िलिस्तीन के लिए ईरान की हुकूमत ने संघर्ष करने का संकल्प ले लिया। इस्लामिक ईरान ने इजराइल के वजूद को ही स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

वस्तुतः इजराइल और ईरान के मध्य सैन्य संघर्ष की पृष्ठभूमि में फ़िलिस्तीन की जटिल समस्या विद्यमान रही है। प्रारम्भिक काल में इजराइल के अस्तित्व को अरब देशों द्वारा कदाचित स्वीकार नहीं किया गया था। अनेक युद्धों में पराजित होने के बाद प्रायः सभी अरब देशों ने इजराइल से समझौता कर लिया। 1978 में ईरान में इस्लामिक इंकलाब के बाद फ़िलिस्तीन के लिए ईरान की हुकूमत ने संघर्ष करने का संकल्प ले लिया। इस्लामिक ईरान ने इजराइल के वजूद को ही स्वीकार करने से इनकार कर दिया। चालीस दिनों के विध्वंसक युद्ध के तत्पश्चात केवल पंद्रह दिनों के लिए ईरान और अमेरिका के मध्य युद्ध विराम समझौता अंजाम दिया गया। युद्ध विराम समझौते पर किए गए हस्ताक्षरों की स्याही अभी सूखी नहीं है कि युद्ध विराम समझौते के कगार पर जंग खड़ी है। समझौते के अगले दिन इजराइल द्वारा लेबनान की हिज़्बुल्ला तंजीम के ठिकानों पर जबरदस्त सैन्य आक्रमण अंजाम दिए। परिणामस्वरूप लेबनान की राजधानी बेरूत तथा लेबनान के अन्य कई नगरों में जबरदस्त तौर पर विध्वंसकारी नजारें देखने मे आए।

युद्ध विराम समझौता

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का बयान आया कि युद्ध विराम समझौते के तहत लेबनान और इजराइल के मध्य युद्ध विराम कहीं शामिल नहीं था। अतः इजराइल द्वारा लेबनान पर अंजाम दिया गया आक्रमण वस्तुतः युद्ध विराम समझौते का उल्लंघन करार नहीं दिया जा सकता। इजराइल द्वारा लेबनान के विरुद्ध अंजाम दी गई सैन्य आक्रमण का ईरान द्वारा अत्यंत कड़ा विरोध किया गया और इसे युद्ध विराम समझौते का स्पष्ट उल्लंघन करार दिया गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के बयान पश्चात तकरीबन ऐसा ही बयान अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का बयान आया कि युद्ध विराम समझौते में लेबनान युद्ध विराम का कोई उल्लेख ही नहीं है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल असीम मुनीर की भूमिका का युद्ध विराम समझौते तक ले जाने में अमेरिका और ईरान ने उल्लेख किया। शरीफ ने फरमाया था कि लेबनान सहित सभी युद्ध स्थलों पर युद्ध विराम लागू करने के लिए ईरान और अमेरिका के मध्य सहमति हो गई और युद्ध विराम तत्काल तौर पर लागू कर दिया जाएगा।

चीन और पाक की भूमिका

8 अप्रैल की सुबह प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का यह बयान दुनिया के सामने आया कि ईरान और अमेरिका के मध्य कूटनीतिक बातचीत में पाक प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ और फील्ड मार्शल मुनीर शामिल रहे और साथ ही चीन की भी बड़ी भूमिका इस युद्ध विराम समझौता संपन्न कराने के विषय में प्रकाश में आई है। चीन द्वारा ईरान को युद्ध विराम करने के लिए राजी किया गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी अपने एक्स पोस्ट पर साझा किया कि ईरान पर अमेरिकी हमले बंद कर दिए हैं और हमारी शक्तिशाली सेनाएं भी अपने सैन्य अभियान को तत्काल रोक देंगी। शहबाज शरीफ और डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध विराम ऐलानों के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने बयान जारी किया गया कि लेबनान को दो सप्ताह के युद्धविराम के तहत शामिल नहीं किया गया। ईरान द्वारा लेबनान पर अंजाम दिए गए इजराइली आक्रमण की कड़ी निंदा की गई। साथ ही पहले तो अमेरिका के साथ पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में प्रस्तावित कूटनीति वार्ता का बॉयकॉट करने की घोषणा की गई।

बिगड़ते दिख रहे हालात

बाद में सोच-विचार के पश्चात ईरान हुकूमत ने अपना प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद भेजने का फैसला लिया। अमेरिकन सरकार के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर इस्लामाबाद वार्ता में पेंटागन के सुरक्षा विशषज्ञों के साथ शिरकत कर रहे हैं। ईरान की तरफ से इस्लामाबाद वार्ता में प्रतिनिधि मंडल की कयादत ईरान की संसद के अध्यक्ष मौहम्मद बगेर गालिबफ कर रहे हैं और उनके साथ ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची हैं।

ईरान का कूटनीतिक प्रतिनिधिमंडल अपने साथ मीनाब स्कूल सैन्य स्ट्राइक में मारे गए बच्चों और पीड़ितों की तस्वीरें और खून से लथपथ उनका स्कूल का सामान लेकर भी गया है। ईरान और अमेरिका के मध्य युद्धविराम समझौते का बाकायदा ऐलान हो जाने के तत्पश्चात ऐसा प्रतीत हो रहा था कि मध्य एशिया संभवतः विनाशकारी युद्ध से मुक्ति पा ही जाएगा, किंतु प्रस्तावित कूटनीतिक वार्ता में प्रबल अवरोध उत्पन्न हो जाने के कारण और ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट को नहीं खोले जाने के कारण, अब ऐसा दिखाई दे रहा है कि सुधरते हुए हालात फिर से बिगड़ने लगे हैं। इजराइल के द्वारा अंजाम दिए गए आक्रमणों द्वारा युद्ध विराम समझौते के भविष्य पर विकट सवाल खड़े कर दिए हैं।

ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अगराची फरमाते हैं कि अमेरिका और ईरान के मध्य युद्ध विराम की शर्तें एकदम स्पष्ट और असंदिग्ध हैं। अमेरिका को युद्ध विराम अथवा इजराइल के माध्यम से जारी जंग में किसी एक को चुनना ही होगा। दूसरी तरफ इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ऐलान कर रहे हैं कि आवश्यकता पड़ने पर इजराइल द्वारा ईरान के विरुद्ध सैन्य संघर्ष को फिर शुरू कर दिया जाएगा। नेतन्याहू के अल्फाज हैं कि हमारी उंगलियां अभी बंदूक के ट्रिगर पर रखी हुई हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मक्रों ने इजराइल के आक्रमणकारी तेवरों की निंदा की है।

लेबनान व फ्रांस की एकजुटता

लेबनान के साथ फ्रांस की एकजुटता व्यक्त करते हुए उन्होंने फरमाया कि सैन्य हमले यकीनन युद्ध विराम के लिए गंभीर खतरा बन गए हैं। अमेरिका को इजराइल का अंध समर्थन करते रहने की अपनी रणनीति से बाहर आकर फिलिस्तीन समस्या का समाधान निकालना ही होगा, अन्यथा ये संघर्ष भविष्य में भी चलते रहेंगे। इन समस्त सैन्य संघर्षों के कारणवश मध्य पूर्व के खाड़ी देश में विनाशकारी खतरा बरकरार बना रहेगा। फिलिस्तीन को जब तक एक खुदमुख़्तार राष्ट्र का दर्जा हासिल नहीं हो जाता और फिलिस्तीनियों को संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रदान की गई अपने हिस्से की सारी जमीन नहीं मिल जाती, तब तक न जाने कितने बेगुनाह नागरिकों कर रक्त धरा पर बहता ही रहेगा।

जंग लंबी चली तो बदल जाएगा दुनिया का भविष्य

समीकरण

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत इन दिनों पूरी दुनिया की नजरों में है। पाकिस्तान की मध्यस्थता से हो रही यह वार्ता खाड़ी युद्ध को खत्म करने का आखिरी मौका प्रतीत हो रही है। फरवरी 2026 में शुरू हुए इस संघर्ष ने पहले ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को प्रभावित कर दिया, हजारों लोगों की जान ले ली और तेल की कीमतें आसमान छूने लगीं। दो हफ्ते का सीजफायर फिलहाल टिका हुआ है, लेकिन अगर इस्लामाबाद में बातचीत नाकाम रही और जंग लंबी खिंच गई तो इसका असर सिर्फ मध्य पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा। पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, राजनीति और आम लोगों की जिंदगी बुरी तरह हिल जाएगी। सबसे बड़ा झटका ऊर्जा बाजार को लगेगा। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से दुनिया का करीब 20-25 प्रतिशत तेल गुजरता है। अगर ईरान ने फिर से इसे ब्लॉक किया या हमले बढ़ाए तो रोजाना 15-20 मिलियन बैरल तेल की सप्लाई रुक सकती है। अभी तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच चुकी हैं। लंबी जंग की स्थिति में ये 130 से 170 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी ने इसे अब तक का सबसे गंभीर सप्लाई शॉक बताया है। गैस की कीमतें भी दोगुनी हो जाएंगी। नतीजा साफ है कि हर जगह महंगाई का कहर। पेट्रोल, डीजल, ट्रांसपोर्ट, खाने-पीने की चीजें-सब कुछ महंगा हो जाएगा। विकसित देशों में महंगाई की आशंका बढ़ जाएगी, जबकि उभरती अर्थव्यवस्थाएं जैसे भारत, चीन और दक्षिण कोरिया सबसे ज्यादा प्रभावित होंगी क्योंकि ये तेल के बड़े आयातक हैं। ग्लोबल इकोनॉमी पर असर और भी गहरा होगा। अर्थशास्त्री चेतावनी दे रहे हैं कि अगर युद्ध कुछ महीनों तक चला तो दुनिया की जीडीपी ग्रोथ 0.2 से 1.2 प्रतिशत तक गिर सकती है। शेयर बाजारों में भारी उथल-पुथल मचेगी, सप्लाई चेन बाधित होंगी और यूरोप तथा एशिया में गैस संकट और गहरा जाएगा। खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्था तो बुरी तरह चोट खाएगी। सऊदी अरब, यूएई और कुवैत में बुनियादी ढांचे पर हमले हो चुके हैं।

अगर युद्ध कुछ महीनों तक चला तो दुनिया की जीडीपी ग्रोथ 0.2 से 1.2 प्रतिशत तक गिर सकती है। शेयर बाजारों में भारी उथल-पुथल मचेगी, सप्लाई चेन बाधित होंगी और यूरोप तथा एशिया में गैस संकट और गहरा जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र के एक अध्ययन के अनुसार, अरब देशों की जीडीपी पर 120 से 194 बिलियन डॉलर का भारी असर पड़ सकता है। मानवीय संकट भी विकराल रूप ले लेगा। अभी तक हजारों मौतें हो चुकी हैं और लाखों लोग बेघर हो गए हैं। शरणार्थी संकट यूरोप और एशिया तक फैल सकता है। स्वास्थ्य सुविधाएं पूरी तरह चरमरा जाएंगी। इसके साथ ही पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचेगा, क्योंकि युद्ध में तेल सुविधाओं और रिफाइनरियों पर हमले से प्रदूषण बढ़ेगा। वैश्विक राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। अमेरिका-ईरान जंग से रूस और चीन को अप्रत्यक्ष फायदा हो सकता है। रूस यूक्रेन मोर्चे पर अपना ध्यान बंटा सकेगा, जबकि चीन सस्ते दामों पर तेल खरीदकर अपनी रणनीतिक स्थिति मजबूत करेगा। खाड़ी देश अमेरिका पर अपना भरोसा खो सकते हैं। नाटो गठबंधन में दरारें और गहरी होंगी। मध्य पूर्व में नए गठजोड़ बन सकते हैं। इजराइल-लेबनान फ्रंट एक बार फिर गर्म हो सकता है, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ेगी। भारत पर इसका सीधा और गहरा असर पड़ेगा। हमारा लगभग 40 प्रतिशत तेल और 80 प्रतिशत गैस मध्य पूर्व से आता है। तेल की कीमतें बढ़ने से आयात बिल आसमान छू जाएगा, रुपया और कमजोर होगा तथा मुद्रास्फीति पर काबू पाना मुश्किल हो जाएगा। खाड़ी देशों में काम करने वाले लाखों भारतीय मजदूर पहले ही वापस लौट रहे हैं। लंबी जंग का मतलब सिर्फ ऊर्जा संकट नहीं, बल्कि खाद्य सुरक्षा पर भी गंभीर खतरा होगा। उर्वरक महंगे होने से फसलें प्रभावित होंगी, जिससे खाद्यान्न की कीमतें बढ़ेंगी। गरीब देशों में भुखमरी बढ़ेगी और विकासशील दुनिया में आर्थिक अस्थिरता फैल जाएगी। अगर इस्लामाबाद में चल रही बातचीत कामयाब हो गई तो पूरी दुनिया को बड़ी राहत मिलेगी। लेकिन अगर यह फेल हो गई तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ चेतावनी दे दी है – फिर से बड़े हमले हो सकते हैं। ईरान भी किसी भी कीमत पर पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहा। दोनों तरफ से सख्त रुख अपनाया जा रहा है। ऐसे में सारी दुनिया को दुआ करनी चाहिए कि वार्ता सफल रहे और खाड़ी क्षेत्र में शांति स्थापित हो। अन्यथा आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है।

इस्लामाबाद वार्ता में हल निकलना मुश्किल

संशय

कांतिलाल मांडोत
स्वतंत्र पत्रकार

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद इन दिनों अंतरराष्ट्रीय राजनीति का केंद्र बनी हुई है। यहां प्रस्तावित ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता केवल एक सामान्य कूटनीतिक बैठक नहीं, बल्कि मध्य पूर्व के बदलते समीकरणों का निर्णायक मोड़ मानी जा रही है। शहर को जिस तरह से सुरक्षा घेरे में लिया गया है, वह इस बात का संकेत देता है कि इस बैठक से जुड़े जोखिम कितने गंभीर हैं। यह सब केवल एक बैठक के लिए नहीं, बल्कि उस संभावित खतरे के कारण है जो इसमें शामिल नेताओं पर मंडरा रहा है। इस वार्ता में अमेरिका की ओर से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल शामिल हो रहा है। वेंस को एक संतुलित और व्यावहारिक नेता माना जाता है, जिन्होंने इस पूरे संकट के दौरान अपेक्षाकृत शांत और संयमित रुख अपनाया है। उनके साथ स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर जैसे प्रभावशाली लोग भी मौजूद हैं, जो पहले भी मध्य पूर्व की जटिल कूटनीतिक प्रक्रियाओं में भूमिका निभा चुके हैं। दूसरी ओर, ईरान की ओर से विदेश मंत्री अब्बास अराघची इस वार्ता का नेतृत्व कर रहे हैं, जो अपने अनुभव और कूटनीतिक कौशल के लिए जाने जाते हैं। उनके साथ मोहम्मद बाघेर गालिबाफ जैसे प्रभावशाली नेता भी शामिल हैं, जिनकी भूमिका केवल राजनीतिक ही नहीं, बल्कि सैन्य और सुरक्षा मामलों में भी महत्वपूर्ण रही है। इस पूरी प्रक्रिया में सबसे दिलचस्प और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इजराइल को इस वार्ता से पूरी तरह अलग रखा गया है। यही कारण है कि इजराइल इस समझौते को लेकर न केवल असहज है, बल्कि खुलकर विरोध भी कर रहा है। इजराइल की चिंता यह है कि यदि अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता होता है, तो इससे ईरान को क्षेत्र में और अधिक ताकत मिल सकती है। इजराइल लंबे समय से ईरान को अपने अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता रहा है, और वह नहीं चाहता कि ईरान को किसी भी प्रकार की कूटनीतिक या सैन्य राहत मिले। इसके अलावा, लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ चल रही कार्रवाई भी इजराइल के लिए प्राथमिकता है, और वह इस संघर्ष को बीच में रोकने के पक्ष में नहीं दिखता। इसी कारण से इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का रुख काफी आक्रामक नजर आ रहा है। उन्होंने कई बार यह संकेत दिया है कि वे किसी भी ऐसे समझौते को स्वीकार नहीं करेंगे, जो इजराइल की सुरक्षा के हितों के खिलाफ हो। हाल ही में लेबनान में हुए हमले इस बात का प्रमाण हैं कि इजराइल अपनी रणनीति से पीछे हटने के मूड में नहीं है। यह स्थिति अमेरिका के लिए भी चुनौतीपूर्ण बन जाती है, क्योंकि उसे एक ओर अपने सहयोगी इजराइल के हितों का ध्यान रखना है और दूसरी ओर ईरान के साथ तनाव कम करने की कोशिश करनी है। पाकिस्तान इस वार्ता के जरिए खुद को एक प्रभावशाली मध्यस्थ के रूप में स्थापित करना चाहता है। लंबे समय से कूटनीतिक स्तर पर हाशिए पर रहे पाकिस्तान के लिए यह एक बड़ा अवसर है। यदि यह वार्ता सफल होती है, तो पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि मजबूत होगी और उसे एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में देखा जाएगा। यदि यह प्रयास विफल होता है, तो इसका उल्टा असर भी पड़ सकता है और पाकिस्तान की साख को नुकसान पहुंच सकता है। शहर में लागू लगभग बंद जैसे हालात इस बात का संकेत हैं कि सरकार कोई भी जोखिम उठाने को तैयार नहीं है। आम नागरिकों की आवाजाही सीमित कर दी गई है और केवल सुरक्षा बलों को ही प्रमुख क्षेत्रों में आने-जाने की अनुमति है। यह स्थिति एक तरह से यह भी दर्शाती है कि यह बैठक केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत संवेदनशील है। अंततः कहा जा सकता है कि इस्लामाबाद में होने वाली यह वार्ता केवल एक समझौते की कोशिश नहीं, बल्कि कई देशों के हितों, आशंकाओं और रणनीतियों का संगम है। जहां एक ओर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने की उम्मीद है, वहीं दूसरी ओर इजराइल की नाराज़गी और संभावित हस्तक्षेप इस प्रक्रिया को और जटिल बना रहे हैं। पाकिस्तान के लिए यह एक बड़ी परीक्षा है, जिसमें उसकी कूटनीतिक क्षमता और सुरक्षा व्यवस्था दोनों की कसौटी परख ली जाएगी। आने वाले समय में यह स्पष्ट होगा कि यह वार्ता मध्य पूर्व में शांति की दिशा में एक कदम साबित होती है या फिर एक और असफल प्रयास बनकर रह जाती है।

इजराइल लंबे समय से ईरान को अपने अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता रहा है। वह नहीं चाहता कि ईरान को किसी भी प्रकार की राहत मिले। हिजबुल्लाह के खिलाफ चल रही कार्रवाई भी इजराइल के लिए प्राथमिकता है।

वह एक रात!

करवट

कुमार प्रशांत

एक ही रात में-7 अप्रैल 2026 - हजारों साल पुरानी व समृद्ध ईरानी सभ्यता के अस्तित्व को धरती से मिटा देने की मनोरोगी अमरीकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की घोषणा के बाद क्या हुआ? अखबारी दुनिया के लोग कहेंगे कि उसके बाद 15 दिनों का युद्धविराम हुआ।

मैं कहूंगा कि नहीं, यह तो हुआ ही; और वह भी हुआ जो संभवतः मानवीय सभ्यता के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ था। ट्रंप की कयामत की रात की घोषणा के बाद न ईरान के सत्ताधारियों ने, न ईरान की बलिदानी जनता ने किसी के आगे गुहार लगाई, न हाथ फैलाया, न माफी मांगी। स्त्री-पुरुष-बच्चियां-बच्चे कोई कहीं रोता-कलपता भी नहीं दिखा. पिछले 40 दिनों से वे, खंडहर होते जा रहे अपने देश को सीने से लगाए, आसमान से बरसते विनाश का सामना कर रहे थे, आक्रमणकारी ट्रंप, गैरतहीन,धूर्त नेतन्याहू और इनके सफरमैना खाड़ी देशों को लगातार हथियारों से जवाब भी दे रहे थे, हालांकि वे जानते थे कि वे अब ज्यादा दिनों तक जवाब देने की हालत में नहीं हैं।

लेकिन 40 दिनों बाद आज, 7 अप्रैल को लड़ाई बदल गई थी। वे ही सब युद्ध की नई कुंडली लिखने सड़कों पर निकल आए थे, जो युद्ध जारी रख सकने की हालत में नहीं बचे थे. ईरान के जिन आण्विक संयंत्रों को, पुलों-राजमार्गों, नागरिक सुविधा के दूसरे तंत्रों, पूजा-स्थलों और सांस्कृतिक केंद्रों को बमों से ध्वस्त कर देने की घोषणा ट्रंप ने की थी, हमने देखा कि अपने-अपने ध्वस्त घरों से निकल-निकल कर ईरानी नागरिक इस सभी स्थलों को घेर कर खड़े होते गए कोई शोर नहीं, कोई नारेबाजी नहीं; सब एकदम शांत थे. लेकिन हर जगह लोग-ही-लोग थे कोई कह तो नहीं रहा था लेकिन जैसे कहीं से, कोई आसमानी घोषणा कर रहा था : हम यहां खुले में खड़े हैं, चलाएं ट्रंप उनके पास जो भी है. ईरान के मशहूर संगीतकार अली घामसारी ने एक संयंत्र के सामने वाली सड़क पर दरी बिछाई और अपना वाद्य बजाने लगे. ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने शांत पर दृढ़ आवाज में बताया : मरने की तैयारी रखनेवालों की सूची में अब तक 1.40 करोड़ ईरानी नागरिकों ने अपना नाम दर्ज करवाया है और उसमें पहला नाम मेरा है। यह ईरान के लिए कयामत की रात थी जिसे उसने कमाल की रात में बदल दिया था।

किसी ने देखा या नहीं देखा पता नहीं लेकिन इन बलिदानी ईरानियों की किसी कतार में महात्मा गांधी भी खड़े थे ! दुनिया के जिस भी कोने में लोग वीरता से बलिदान देने निकलते हैं, यह 'अधनंगा फकीर' वहां अपनी हाजिरी लगाता ही है। जयप्रकाश ने कभी हंगरी में, कभी

तिब्बत में, कभी बांग्लादेश में तो कभी चेकोस्लोवाकिया में इस गांधी को पहचाना था और उसके साथ खड़े हुए थे।

गांधी ने कहा था : विवश कायरता से कहीं भला होता है निडर बलिदान ! गांधी की अहिंसा का उपहास करने वाले किताबी बुद्धिजीवी व हिंदुत्व की अहंकारी भाषा में अपनी कायरता छिपाते रहने वाले कहां पहचान सकेंगे कि गांधी ने जिस चरम साहस की बात कही थी, ईरानी जनता में वह साहस 7 अप्रैल 2026 को मूर्तिमान हुआ था। यही अमरीका था और उसके ही परमाणु बम थे कि जिनसे हिरोशिमा-नागासाकी का अकल्पनीय विनाश हो चुका था. तब किसी ने पूछा था गांधी से : आप परमाणु बम का अहिंसा से कैसे मुकाबला करेंगे ? पूछने वाले ने सोचा था कि गांधी निरुत्तर रह जाएंगे लेकिन गांधी ने जवाब टाला नहीं, वे हिचके भी नहीं। कहा : विनाश का मुकाबला अकंप वीरता से ही किया जा सकता है. उन्होंने बात साफ की : जब बम ले कर आसमान में विमान आएगा तब मैं किसी खाई-खंदक में छुपूंगा नहीं, बल्कि खुले मैदान में निकल आऊंगा और अपलक उस विमान को देखता रहूंगा जो संपूर्ण विनाश ले कर आया है. मैं जानता हूं कि उस विमान का पायलट उस ऊंचाई से मुझे देख नहीं सकेगा लेकिन मैं तो उसे अपलक देख सकूंगा. बम उन सबको मार जाएगा जो बचने की कोशिश करेंगे; लेकिन वह उन सबको मार ही नहीं सकेगा जो मरने का भय छोड़ कर, उसकी आंखों-में-आंखें डाले सकेंगे ! फिल्मी डायलॉग है : जो डर गया वो मर गया; गांधी कहते हैं : करो या मरो !

कायर सवाल पूछते ही रहते थे : ऐसा हो सकता है क्या ? सामने से आती मौत की तरफ कैसे देखता रह सकता है कोई ? गांधी कैसी अविश्वसनीय-अव्यवहारिक बात कह रहे हैं ! 7 अप्रैल 2026 के बाद कोई ऐसा नहीं कह सकेगा. ईरान की बहादुर जनता ने विनाश के समक्ष आत्मबल का सर्जन करने की गांधी की कल्पना के समर्थन में अपना वोट दे दिया है. जो कल तक अहिंसक कल्पना थी, आज हकीकत बन गई है. गांधी कहते हैं : छिप कर भी मारे जाओगे लेकिन उस मौत में से असहायता व कायरता निकलेगी; मौत की आंखों में आंखें डाल कर मरोगे तो उसमें से चरम वीरता निकलेगी जो मारने वालों को असहाय व व्यर्थ बना देगी.

युद्ध, हिंसा,विनाश और शत्रुता के खिलाफ जो सदा ही अपनी आवाज़ बुलंद करता रहा; मानव-मन में गहरी पैठी हिंसा व प्रतिशोध की भावना की जड़ें अहर्निश काटता रहा; जो इन सबके विरुद्ध आज तक मनुष्य द्वारा उठाई सबसे अटूट, सशक्त व सक्रिय आवाज है, उस गांधी के लिए युद्ध, हिंसा, प्रतिशोध अजनबी नहीं थे. वह युद्ध के मोर्चे पर फौजी अधिकारी बन कर उतरा था; दो-दो विश्वयुद्ध की विभीषिका उसने देखी व झेली थी; उसने अपने मुल्क की नवजात आजादी पर पड़ोसी का फौजी हमला देखा था और उससे युद्ध करने वाली फौज को आशीर्वाद भी दिया था; अपनी हत्या के पांच प्रयासों के बावजूद बगैर किसी कड़वाहट के उसने मानवीय आजादी व गरिमा का अपना अभियान जारी रखा था; जैसा सांप्रदायिक उन्माद संसार ने पहले देखा नहीं था वैसे सांप्रदायिक उन्माद में पांव-पांव लगातार भटकता रहा था वह; सांप्रदायिक हिंसा के कई थपेड़े उसने झेले थे और फिर उसी सांप्रदायिक आग में जल कर वह भस्म हुआ था. तो हम कह सकते हैं कि गांधी ने युद्ध के खिलाफ तमाम उम्र युद्ध ही लड़ा ! आज ईरान ने कहा है : हर युद्ध के अंत में बचते हैं गांधी ही, क्योंकि वे हिंसा, घृणा व प्रतिशोध के सामने कभी सर नहीं झुकाते हैं।

बाबा साहब आप अवाम के हीरो हैं!

जिरहनामा

कनक तिवारी

संविधान को लेकर बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के दो तरह के चेहरे दिखाए जाते हैं। संविधान निर्माण के सिलसिले में कुछ लोगों ने बेहूदी टिप्पणियां भी की हैं कि आंबेडकर न तो संविधान निर्माता हैं, न संविधान नियामक हैं, न संविधान के अधिकृत प्रवक्ता। उन्होंने केवल संविधान सभा के सदस्यों और समितियों से मिली तरह तरह की रिपोर्टों को एकजाई कर प्रारूप समिति के चेयरमैन की हैसियत में संविधान सभा की बहस के लिए पेश भर कर दिया। बाकी काम तो संविधान सभा के सदस्यों ने आपसी बहस मुबाहिसे के जरिए किया। कभी भाजपा में रहे मशहूर पत्रकार अरुण शौरी ने तो 'वर्शिपिंग फॉल्स गॉड्स' नाम की किताब भी लिख दी। पता नहीं वह किताब क्यों लिखी? उसमें बहुत गलतबयानी है। आंबेडकर के खिलाफ जबरिया कई बातें खोजी गई हैं। अगर नहीं करते तो क्या बिगड़ जाता?

दूसरी तरफ आंबेडकर के पक्ष में जातीय समरसता के कारण तथा अन्य प्रताड़ित लोग उनकी देवता की तरह पूजा करते हैं। वे संविधान निर्माण के संदर्भ में आंबेडकर की भूमिका को आलोचनात्मक आधार पर सुनना समझना नहीं चाहते। उनका यहां तक कहना होता है कि संविधान केवल बाबा साहब की अकेली और मौलिक देन है। बाकी संविधान निर्माताओं के संबंध में उनकी कोई सार्थक टिप्पणी होती भी नहीं। वे बाबा साहब के जन्मदिन और परिनिर्वाण दिवस की बड़ी बहसों में ऐसे लोगों को नहीं बुलाते जो उनकी निगाह में सवर्ण हैं और इसलिए बाबा साहब का मूल्यांकन करने में पैदाइशी असमर्थ हैं। यह भी अम्बेडकर पर एक तरह की एकाधिकारवादिता है। इससे आंबेडकर का यश लोकजीवन में विस्तारित कैसे होगा? ऐसे लोग उन बारीकियों को भी नहीं खोजते जो बाबा साहब की विशेषताएं हैं।

आंबेडकर को लेकर एक बात बहुत साफ है। आंबेडकर को प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाकर अहसान नहीं किया गया। वे आज़ादी की लड़ाई के योद्धा या किसी पार्टी के सदस्य नहीं थे। उनकी बौद्धिक प्रतिभा का कोई सानी नही था। इसलिए आंबेडकर को संविधान की प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाना किसी व्यक्ति की इच्छा नहीं, इतिहास की अनिवार्यता थी। विनम्र जिम्मेदारी के साथ कहना चाहता हूं कि यदि बाबा साहब प्रारूप समिति के अध्यक्ष नहीं होते। तो संविधान उस तरह लगभग 300 सदस्यों की बहस को अपनी प्रतिभा से समेटते तीन बरस में लिखा नहीं जा सकता था। इतिहास का सच है कि आंबेडकर का विकल्प नहीं था। संविधान के एक एक अनुच्छेद पर बाबा साहब की तीखी नज़र रहती थी। ग़फ़लत में नहीं होते थे। न अनदेखी करते थे। जानना ज़रूरी है कि उनसे सहयोग करने कानूनी विद्वानों की आलिम फाज़लि समिति भी थी जो उनसे सहकार करती थी। इसका अहसान भी

उन्होंने माना है।

आंबेडकर की सबसे बड़ी खसूसियत का ब्यौरा लोग बताते तक नहीं। वे अपने तईं कई तरह की संवैधानिक व्याख्याओं में विश्वास करते थे। उसका ब्यौरा उन्होंने लेखी में और भाषणों में भी दिया है। जब संविधान सभा का बहुमत उनसे सहमत नहीं होता था, चाहे उसके लिए कोई भी वजह रही हो, तब आंबेडकर की उदारता थी कि उन्होंने निजी रूप में कहे गए अपने विचारों को प्रारूप समिति के चेयरमैन के भाषणों के नीचे दफ्न कर दिया। यदि आंबेडकर ने निजी राय को बहुमत ने खारिज करके दाखिल दफ्तर नहीं किया होता, तो हिन्दुस्तान के आईन की हालत शायद बेहतर होती। मसलन जब मूल अधिकारों को लेकर सरकार पर बंदिश लगनी थी कि मूल अधिकार तब ही प्रभावित होंगे जब 'ड्यू प्रोसेस आफ लॉ' की परीक्षा में खरे उतरें। तब संविधान सलाहकार बी० एन० राव ने भांजी मारी कि अमेरिका के सबसे प्रभावशाली जज फेलिक्स फ्रैंकफर्टर ने सलाह दी है कि जनता के मूल अधिकारों पर आंच की जांच बड़ी अदालतें 'ड्यू प्रोसेस ऑफ लॉ' के तहत करेंगी, तो मुकदमों की बाढ़ आ जाएगी। भारत अमेरिका की तरह अनुभवसिद्ध लोकतंत्र नहीं है, जहां वर्षों से संविधान की हुकूमत चल रही है। तब एक नया लोकतंत्र हुकूमत कैसे करेगा? इसलिए उसे कहें **procedure established by law**. बहुत दुख के साथ अम्बेडकर ने कहा था मैं मानता हूं कि ऐसा मंत्रिमंडल आ सकता है जो जनता के खिलाफ गैरमुनासिब फैसला करे। दूसरी ओर काले कोट में लकदक पांच छह जज बंद कमरे में बैठकर सरकारी फैसला बदल दें। एक तरफ कुआं है। दूसरी तरफ खाई है। मंत्रिपरिषद और सुप्रीम कोर्ट के संभावित विवाद को लेकर आंबेडकर ने कहा था आप लोग खुद फैसला करिए। मैं कुछ नहीं कह सकता।

हिन्दू मुस्लिम के सवाल पर अम्बेडकर दूसरों से ज़्यादा वैज्ञानिक और स्पष्टवादी थे। उन्होंने साफ कहा बहुसंख्यक लोग सोचें कि अल्पसंख्यक उन पर बोझ हैं या इतिहास की अतिरिक्तता या दुर्घटना हैं। तो अल्पसंख्यक भयंकर विस्फोटक के बराबर होते हैं। अगर फटे तो सारे राजकीय ढांचे को तहस नहस कर सकते हैं। यूरोप का इतिहास इसका उदाहरण है। यह नज़रिया बदलना पड़ेगा। अल्पसंख्यक भी सोचें हर समय पूरी तौर पर सांस्कृतिक और साभ्यतिक तौर पर अलग थलग ही रहेंगे। तो वह भी एक गलत नज़रिया है।

यक्ष प्रश्न है बाबा साहब ने तो हमवतनों को बहुत कुछ दिया। बाद की भारतीय पीढ़ी ने बाबा साहब की कितनी बात मानी? दलितों के मसीहा ने दलितों के अधिकारों के लिए भीख नहीं मांगी। संघर्ष करना सिखाया। उनके नाम से अपनी राजनीतिक दूकान सजाने वाले तरह तरह के अनुयायी दलित वर्गों को किस तरह बांट चुके हैं। दलित महिलाओं का सड़कों पर बलात्कार और उन पर अत्याचार किया जा रहा है। योग्यता के बावजूद भी उन्हें बडे पद नहीं मिलते। न्यायपालिका की नौकरियों में दलितों का कितना स्थान है? क्या हिन्दुस्तान में जातिवाद खत्म हो रहा है? क्या जातीय जनगणना ही उनकी तरफ जाने का इकलौता रास्ता है? नागपुर में बाबा साहब हिन्दू धर्म छोड़कर बौद्ध धर्म में चले गए थे। आंबेडकर की शोहरत उपलों की दीवार नहीं है, जिसे एक झटके से गिरा दिया जाए।

बाबा साहब ने सिखाया संविधान वह किताब है जो हर हिन्दुस्तानी के हाथ में होनी चाहिए। देश में 80 करोड़ से ज़्यादा लोगों को हर माह पांच किलो राशन सरकार से मुफ्त में दिया जा रहा है। उससे लोकतंत्र चल रहा है। सरकार चल रही है। तो संविधान की पोथी हर एक हाथ में क्यों नहीं हो सकती जिससे हर मनुष्य में अपनी जम्हूरियत का गौरव तो हो?

बिलासपुर

रविवार 12 अप्रैल 2026

बैशाख कृष्ण पक्ष दशमी

वर्ष : 26, अंक : 21

पृष्ठ : 12+8 =20, मूल्य : 5 .00***

मौसम

अधि. 38.2

न्यून. 23.3

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

5

सैमसन ने की गजब वापसी, लगाया सीजन का पहला ...

आजकल पेज

युद्ध विराम के कगार पर खड़ी जंग

नौ राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों में कटे 6.08 करोड़ मतदाताओं के नाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

देश में वोटर लिस्ट को लेकर चलाए गए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद बड़ा बदलाव सामने आया है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों की संयुक्त मतदाता सूची में करीब 6.08 करोड़ मतदाताओं की कमी आई है।

यह आंकड़ा तब सामने आया जब उत्तर प्रदेश ने अपनी अंतिम मतदाता सूची जारी की, जिसके साथ ही एसआईआर का दूसरा चरण पूरा हो गया। इस चरण में जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मतदाता सूची प्रकाशित हुई है, उनमें पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, राजस्थान, छत्तीसगढ़, केरल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, गुजरात, मध्य प्रदेश और गोवा शामिल हैं। चुनाव आयोग के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के दूसरे फेज के तहत यूपी में ▶▶|शेष पेज 6 पर

विशेष गहन पुनरीक्षण का दूसरा चरण हुआ पूरा

यूपी, बंगाल और तमिलनाडु में कितने वोटरों के नाम कटे

एसआईआर के बाद यूपी में 2.04 करोड़, पश्चिम बंगाल में 91 लाख वोटरों के नाम चुनावी लिस्ट से काटे गए हैं। प्रतिशत के लिहाज से देखें तो अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में वोटरों के नाम में 16.9 फीसदी कटौती हुई। यूपी और गुजरात में 13-13 फीसदी, पश्चिम बंगाल में 12 फीसदी, तमिलनाडु में 11.5 फीसदी, छत्तीसगढ़ में 11.7 फीसदी वोटरों के नाम कटे।

एसआईआर में सबसे ज्यादा किनके नाम कटे

एसआईआर में सबसे ज्यादा वोटरों के नाम शहरी क्षेत्रों से कटे हैं। सबसे बड़ी वजह माइग्रेशन है। इसके अलावा, कुछ के अनुपस्थित रहने, शिफ्ट होने, मृत होने की वजह से भी कई वोटरों के नाम कटे हैं। 1.46 करोड़ वोटर्स मृत पाए गए। वहीं, 4.6 करोड़ वोटरों ने अपना आवास बदल लिया था।

बंगाल में 27 लाख वोटरों के नाम का मिलान नहीं

पश्चिम बंगाल में 27 लाख वोटर्स के नाम इसलिए काट दिए गए, क्योंकि 2002 के इलेक्टोरल रोल्स से उनके नाम का मिलान नहीं हो पाया। यूपी में जनवरी में ड्रॉफ्ट रोल आया था, जिसमें 18.7 फीसदी काटे गए थे। मगर, बाद में कई दावे और आपत्तियों के बाद 84.28 लाख नाम और जोड़े गए। सबसे ज्यादा प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, गाजियाबाद और जौनपुर में नाम वोटर लिस्ट में जोड़े गए।

हेलीपैड की जगह कार पार्किंग में उतार दिया मंत्री का हेलीकॉप्टर

पुणे। महाराष्ट्र की फडणवीस सरकार में मंत्री छगन भुजबल का हेलीकॉप्टर गलत जगह उतर गया। इस मामले में पायलट की लापरवाही भी सामने आ रही है। पायलट ने उनके हेलीकॉप्टर को हेलीपैड की जगह कार पार्किंग में उतार दिया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कराने की बात कही है।

नासिक से पुणे आ रहे थे भुजबल

जानकारी के मुताबिक, हेलीकॉप्टर को निर्धारित हेलीपैड पर उतारने के बजाय पायलट ने कार पार्किंग में लैंड करा दिया। यह घटना तब हुई जब छगन भुजबल ▶▶|शेष पेज 6 पर

सीएम बोले- घटना की होगी जांच

मंत्री छगन भुजबल पूरी तरह सुरक्षित हैं लेकिन इसमें पायलट की लापरवाही सामने आई है। मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने साफ किया कि इस पूरी घटना की जांच कराई जाएगी।

डीजल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी 55.5, एटीएफ पर 42 रुपए

नई दिल्ली। सरकार ने शनिवार को डीजल के निर्यात शुल्क या अप्रत्याशित लाभ कर को बढ़ाकर 55.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया है। विमान ईंधन (एटीएफ) के लिए यह दर अब 42 रुपए प्रति लीटर होगी। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि शुल्क में यह बढ़ोतरी तत्काल प्रभाव से लागू होगी। इससे पहले 26 मार्च को सरकार ने डीजल पर 21.50 रुपए प्रति लीटर और एटीएफ पर 29.5 रुपए प्रति लीटर का निर्यात शुल्क लगाया था। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच घरेलू बाजार में ईंधन की उपलब्धता बढ़ाने के लिए ये शुल्क लगाए गए थे। इन शुल्कों का उद्देश्य निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय और घरेलू कीमतों के अंतर का अनुचित लाभ उठाने से रोकना है।

- सरकार ने बढ़ाया अप्रत्याशित लाभ कर

फैसले का मतलब?

सरकार की ओर से डीजल पर निर्यात शुल्क में की गई 34 रुपए प्रति लीटर की भारी बढ़ोतरी का मकसद घरेलू बाजार में ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना है। साथ ही तेल कंपनियों की ओर से कमाए जा रहे अत्यधिक 'विंडफाल प्रॉफिट' पर लगाम लगाना है।

आपस में टकराए तीन वाहन, सात की मौत

कटिहार। बिहार के कटिहार जिले में शनिवार शाम बस, ट्रक और पिकअप वैन की आपस में हुई टक्कर में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 अन्य घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक (एसपी) शिखर चौधरी ने पत्रकारों को बताया कि कटिहार के कोढ़ा प्रखंड में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) 31 पर दुर्घटना हुई। घायलों को नजदीकी सरकारी अस्पताल ले जाया गया। एसपी ने बताया कि हताहतों की संख्या बढ़ सकती है।

लद्दाख को आधार के रिकार्ड में मिली अलग पहचान

लेह। जम्मू कश्मीर के पूर्ववर्ती राज्य से 2019 में पृथक केंद्र शासित प्रदेश के तौर पर सृजन के लगभग सात साल बाद लद्दाख ने आखिरकार आधार रिकॉर्ड में अपनी एक अलग पहचान हासिल कर ली है। आधार में 'जम्मू कश्मीर' को हटकर अब 'लद्दाख' कर दिया गया है। लोक भवन के प्रवक्ता ने बताया कि जनता की लंबे समय से चली आ रही इस मांग को लद्दाख के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना के हस्तक्षेप के बाद पूरा किया गया।

सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत

चाईबासा। पश्चिम सिंहभूम जिले में एक यात्री वैन और मोटर साइकिल की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। दुर्घटना शुक्रवार रात हटगम्हरिया थाना क्षेत्र के नुर्दा टोला में हुई। मृतकों की पहचान बिपिन सिंकू और विक्रम सिंकू के रूप में हुई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। 20 वर्ष की उम्र के आसपास के चार युवक मुंडा शाही में पारंपरिक हो समुदाय के एक अनुष्ठान में शामिल होकर तेज रफ्तार मोटरसाइकिल से बालंदिया की ओर जा रहे थे। उनमें से केवल एक ने हेलमेट पहना था।

विशेष: विश्व विरासत दिवस 18 अप्रैल

हमारे अतीत की पहचान, मानवीय सभ्यता की निशानियां, ऐतिहासिक धरोहरें हम सभी का गौरव हैं। लेकिन आपदाओं और मानवीय संघर्षों से इनके अस्तित्व पर भी संकट मंडराने लगा है। ऐसे में विश्व विरासत दिवस की इस वर्ष की थीम 'संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवंत विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया'-अत्यंत सामयिक है। हम सभी को विरासतों के संरक्षण के लिए संकल्पित होना चाहिए।

संघर्षों-आपदाओं के इस दौर में लें विश्व धरोहरों के संरक्षण का संकल्प

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

बीते कुछ वर्षों से विश्व भर में कई जगहों पर युद्ध और संघर्ष की भयावह स्थिति बनी हुई है। प्राकृतिक और मानवकृत आपदाएं भी अपने चरम पर हैं। आज दुनिया जिस मोड़ पर खड़ी है, वहां केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि हमारी सदियों पुरानी पहचान, हमारी विरासत भी खतरे में है। इस वर्ष विश्व धरोहर दिवस की थीम हमें याद दिलाती है कि जब जानलेवा और विध्वंसक मिसाइल और बम गिरते हैं या नदियां, सागर उफनते हैं, पहाड़ दरकते हैं, तो केवल इमारतें नहीं ढहतीं, बल्कि एक सभ्यता की आत्मा घायल होती है। ऐसे में हमारी सदियों पुरानी अनमोल धरोहरों का संरक्षण, चिंता का बड़ा विषय बन गया है। ये विरासतें कई प्रकार की हैं, धार्मिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक और जीवंत। ये हमारी पहचान हैं। ये हमारे पूर्वजों, महापुरुषों और विद्वानों की स्मृति के साथ-साथ आने वाली पीढ़ी के लिए एक दस्तावेज जैसी हैं, जिन्हें सुरक्षित और संरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक है।

जीवंत विरासत का अर्थ

'जीवंत विरासत' का मतलब सिर्फ पत्थर की दीवारें नहीं होती हैं। इसमें हमारी लोक कथाएं, पारंपरिक संगीत, हस्तशिल्प और वे त्योहार भी शामिल होते हैं, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलते आ रहे हैं। संघर्ष के समय जब लोग विस्थापित होते हैं, तो ये 'अमूर्त विरासत' ही उन्हें अपनी जड़ों से जोड़े रखती हैं। इन्हें बचाना मानवीय गरिमा को बचाने जैसा है। जाहिर है, यह थीम केवल इमारतों या स्मारकों तक सीमित नहीं है, बल्कि 'लिविंग हेरिटेज' यानी हमारी परंपराओं, लोक कलाओं, भाषाओं और उत्सवों पर जोर देती है, जो मानवीय अस्तित्व का अभिन्न अंग हैं।

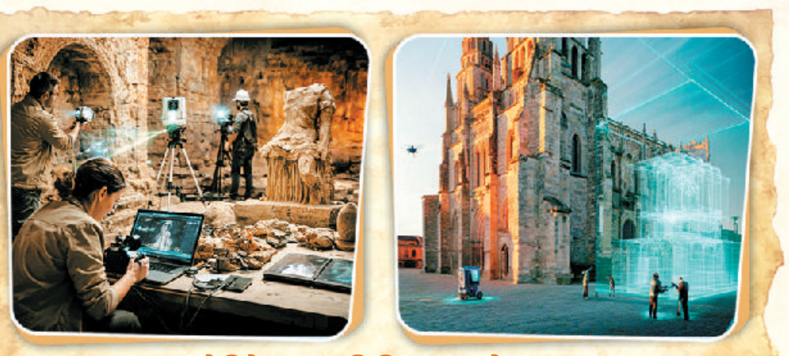

हेरिटेज का डिजिटलाइजेशन

आपदाओं में भौतिक नुकसान की भरपाई संभव नहीं होती, इसलिए आधुनिक तकनीक (3डी मैपिंग, क्लाउड स्टोरेज) के जरिए विरासत का डिजिटल रिकॉर्ड रखना अनिवार्य हो गया है ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण किया जा सके। भौतिक रूप से नष्ट हुई विरासत को दोबारा जीवित करने का एकमात्र तरीका 'डिजिटल ट्विन' तकनीक है। 3डी लेजर स्कैनिंग और ड्रोन मैपिंग के जरिए हर बारीक नक्काशी का रिकॉर्ड रखना अब जरूरत बन गई है, ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण सटीक हो सके।

दोहरे खतरों की पहचान

वर्तमान में दुनिया भर में विरासत दो प्रमुख मोर्चों पर खतरे में है: पहला, मानव निर्मित सशस्त्र संघर्ष (युद्ध) और दूसरा, प्रकृति जनित जलवायु परिवर्तन व आपदाएं (बाढ़, भूकंप, आग)। बदलते मौसम, अनियंत्रित बाढ़ और भूकंप ने कई प्राचीन शहरों को मलबे में बदल दिया। इसलिए जरूरी है कि आपदा प्रबंधन की योजना में ऐतिहासिक स्मारकों को भी प्राथमिकता दी जाए, ताकि मलबे के साथ इतिहास न दफन हो जाए।

सांस्कृतिक पहचान पर न हो प्रहार

युद्ध और संघर्ष के दौरान अकसर सांस्कृतिक प्रतीकों को जानबूझकर निशाना बनाया जाता है ताकि किसी समुदाय की पहचान और मनोबल को तोड़ा जा सके। जब युद्ध और सशस्त्र संघर्ष का क्रूर प्रहार होता है तो सांस्कृतिक पहचान पर चोट पहुंचती है। रूस-यूक्रेन से लेकर मध्य-पूर्व (फिलिस्तीन-इजरायल और ईरान-अमेरिका) तक के मौजूदा संघर्षों में हमने देखा है कि ऐतिहासिक संग्रहालयों और पुस्तकालयों को निशाना बनाया गया। इस वर्ष की थीम का मुख्य उद्देश्य, युद्ध क्षेत्रों में इन संपत्तियों को (नो-वॉर जोन) के रूप में मान्यता दिलाना और उनके विनाश को 'युद्ध अपराध' के रूप में कड़ाई से लागू करना है। थीम इसके विरुद्ध एक सुरक्षा कवच तैयार करने की वकालत करती है।

त्वरित प्रतिक्रिया की आवश्यकता

विरासत के संरक्षण के लिए त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र विकसित करना जरूरी है, जैसे आग लगने पर फायर ब्रिगेड पहुंचती है, वैसे ही विरासत के लिए 'कल्चरल फर्स्ट एड' की जरूरत होती है। इसमें विशेषज्ञों की ऐसी टीमें शामिल होनी चाहिए, जो संकट के पहले 48 घंटों में कीमती पुरावशेषों को सुरक्षित स्थान पर ले जा सकें या उन्हें प्रोटेक्ट कर सकें। आपदा के समय जिस तरह इंसानी जान बचाने के लिए 'फर्स्ट रिस्पॉन्स' टीम होती हैं, उसी तरह विरासत को बचाने के लिए भी एक त्वरित कार्य योजना और प्रशिक्षित विशेषज्ञों की जरूरत होती है।

स्थानीय समुदायों की भूमिका

विरासत का असली संरक्षक वह समुदाय है, जो वहां रहता है। संघर्ष के समय स्थानीय लोगों को 'हेरिटेज वॉरियर्स' के रूप में प्रशिक्षित करना सबसे प्रभावी बचाव साबित होता है।

नीतिगत सुधार की जरूरत

सरकारों को अपनी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीतियों में 'विरासत संरक्षण' को एक अनिवार्य अध्याय के रूप में जोड़ने की आवश्यकता है। अवैध तस्करी पर लगाम लगाने की भी जरूरत है। अकसर देखा गया है कि संघर्ष और अस्थिरता के दौरान प्राचीन मूर्तियों और कलाकृतियों की चोरी और अंतरराष्ट्रीय तस्करी बढ़ जाती है। थीम का एक हिस्सा यह भी है कि आपातकालीन स्थिति में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सांस्कृतिक संपदा की निगरानी सख्त की जाए।

भविष्य की तैयारी

इस वर्ष की थीम हमें याद दिलाती है कि विरासत को बचाना केवल अतीत का सम्मान नहीं है, बल्कि अनिश्चित भविष्य के लिए अपनी जड़ों को सुरक्षित रखना है। संकट के समय विरासत बचाने के लिए भारी धन की आवश्यकता होती है। यूनेस्को और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को एक 'इमरजेंसी हेरिटेज फंड' को और मजबूत करना होगा, ताकि गरीब और विकासशील देशों की विरासत को संसाधनों के अभाव में नष्ट होने से बचाया जा सके।

नागरिक भी बनें जागरूक

विरासत की रक्षा एक सरकारी जिम्मेदारी से बढ़कर एक नागरिक कर्तव्य भी है। शिक्षा और मीडिया के माध्यम से युवाओं को यह समझाना होगा कि अगर हमारी विरासत मिट गई, तो हमारे पास आने वाली पीढ़ियों को सुनाने के लिए कोई कहानी नहीं बचेगी। लोगों को बताना होगा कि विरासत की रक्षा कोई 'सॉफ्ट टारगेट' नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक शांति का हिस्सा है। संघर्ष थमेंगे और आपदाएं बीत जाएंगी, लेकिन जो विरासत हम खो देंगे, वह कभी वापस नहीं आएगी। समय आ गया है कि हम अपनी पहचान को बचाने के लिए 'रिएक्टिव' होने के बजाय 'प्रोएक्टिव' बनें। *

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

युद्ध क्षेत्रों में सांस्कृतिक संपत्ति की सुरक्षा के लिए 'हेग कन्वेंशन' और 'ब्लू शील्ड' जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों का सख्ती से पालन करना समय की मांग है। जब कोई समुदाय युद्ध या आपदा से उबरता है, तो अपनी परंपराओं (जैसे सामूहिक नृत्य या उत्सव) को फिर से शुरू करना उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए मरहम का काम करता है। विरासत केवल बीता हुआ कल नहीं, बल्कि भविष्य की आशा है। आपदा या युद्ध के बाद जब लोग अपनी परंपराओं और उत्सवों (लिविंग हेरिटेज) की ओर लौटते हैं, तो यह सामाजिक एकजुटता को वापस लाने में मदद करता है।

नवगीत
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

प्रथम गीत लिखने वाले ने

प्रथम गीत लिखने वाले ने,
कितना दर्द सहा होगा।
आंखों से उसका हर सपना,
अनगिन बार बहा होगा।
अपने आतुर अरमानों को
ढांढ़स देकर फुसलाकर
रेतीले महलों के जैसे
सागर तट तक ले जाकर
जितनी बार बनाया होगा,
उतनी बार ढहा होगा।
राग से विमुखता होने पर,
मन होता है वैरागी
सिंचित हुए बिना मधुरस के
कौन हुआ है अनुरागी
कानों में चुपके से कोई
कुछ न कुछ तो कहा होगा।
जब विश्वास टूटता है तो
दिल से आह निकलती है
बागी होकर स्वयं लेखनी
अपनी राह बदलती है
दुख देने वाला मानस में,
कोई नाम रहा होगा।

व्यंग्य / भूपेंद्र भारतीय

विचारक बनने की हवा

भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है।

भिया इन दिनों विचारक बनने की यात्रा में हैं। चुनाव दूर है तो यही कर लिया जाए। ऐसा भिया के मन में विचार उमड़ा। विचार क्या, यह भिया के लिए क्रांतिकारी कदम जैसा है। अब तक माला, माइक, मंच व फोटो की ही हवा चल रही थी, लेकिन विचारों की हवा का अभाव था! भिया को फिर विचार आया कि इन सभी के साथ मुझे एक बड़ा विचारक भी होना चाहिए। जनता बात-बात में माइक पकड़ा देती है। ऐसे में बिना विचार के विचारक कैसे बन सकते हैं? मंच का संचालन करने वाला तो दो शब्द कहने को ही कहता है लेकिन वे दो शब्द मंच से जनता तक पहुंचाने में बड़ी मशक्कत करनी होती है। कभी-कभी तो विचारों के आभाव में एक शब्द भी नहीं निकलता। सिर्फ हवा ही माइक से निकलती है। इन सभी बातों को ध्यान में रखकर भिया आजकल विचारक बनने के लिए लंबी-लंबी चिंतन बैठकें कर रहे हैं। कई-कई कप चाय सुड़कते हुए, सिगरेट का धुआं उड़ाते हुए कागज-कलम के साथ विचारक बनने की प्रैक्टिस करने लगे हैं।

मगर विचारक बनने की इस बेचैनी में एक तरफ विचार है कि आ नहीं रहे हैं और कार्यकर्ता भिया के लिए नए-नए मंच तैयार कर रहे हैं। भिया के विचारक बनने की हवा चलाने के लिए क्षेत्र में पहले से धंसी पड़ी कुछ संस्थाओं को पुनर्जीवित किया गया और कुछ नई संस्थाओं का निर्माण किया गया। कार्यकर्ता जी-जान से भिया के विचारक बनने की हवा बनाने लगे और इधर अभी भिया पक्के विचारक बने ही नहीं और कार्यकर्ताओं ने 'भ्रष्टाचार हटाओ अभियान' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भिया का नाम लिखा दिया। भिया चिंतित हैं कि अब इस विषय पर मैं क्या बोलूं? यह विषय तो मेरी विपरीत धारा का है। अब तक तो भ्रष्टाचार के मामलों में हम घिरते ही आए हैं और अब इस पर विचार कैसे रखूं? इस विचित्र मामले में कैसे हवा बनाऊं? यह कैसे संभव होगा। बस, फिर क्या था! भिया को भी विपरीत परिस्थिति ने ही मार्ग दिखाया। जैसे बड़े नेता विपरीत परिस्थितियों में ही अपनी छवि को और अच्छे से चमका लेते हैं। भिया ने भी झट से अवसर को लपक लिया।

ऐसी विपरीत परिस्थिति में नए-नए विचार आने लगे, उन्हें लगने लगा। विचारक बनने की हवा शुरू हो गई है। भिया अपने विषय की भूमिका बनाने लगे। भ्रष्टाचार हटाओ अभियान सिर्फ नारा नहीं, हमारे क्षेत्र व जनता के लिए एक क्रांति लाने वाला है। ऐसे अजीबो-गरीब विचार भिया के मन में गुड़गुड़ाने लगे। भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है। यह विचारों की क्रांति है। इससे पहले भिया चुनावों में बड़ी-बड़ी हवा बना चुके थे। विकास की हवा चलाने में भिया से बड़ा नेता आज तक उनके क्षेत्र में कोई दूसरा आया ही नहीं। शिक्षा विभाग से लेकर राजस्व विभाग तक ऐसा कोई मलाईदार विभाग भिया की टीम से छूटा नहीं, जिसमें भिया ने चुनाव जीतने के छः माह बाद ही अपनी हवा नहीं चलाई हो। लिफाफे की हवा, फिक्स रेट की हवा, ट्रांसफर की हवा, खदान लेने की हवा, ठेका देने की हवा, सरकारी नौकरी देने की हवा जैसी सैकड़ों हवाएं हैं, जो क्षेत्र में निरंतर पांच साल चलती रहीं। भिया की जीत से छः माह के बाद ही अधिकांश विभाग उनकी हवा से महकने लगे।

ऐसे ही विचार भिया के मन में क्रांति की हवा बनाने लगे। भिया को विचारक बनने की हवा धीरे-धीरे आने लगी। इस हवा को और बड़ा करने में कार्यकर्ता सोशल मीडिया का सहारा लेने लगे। जेन-जी को इस हवा से जोड़ने की कोशिश की जाने लगी।

धीरे-धीरे विचारक बनने की हवा सभी ओर फैलने लगी। सुबह जैसे ही भिया घर से क्षेत्र के लिए निकलते उनकी लग्जरी कार में लगे हूटर से उनके विचारक होने की हवा चलने लगती। फेसबुक पर जनता के नाम संदेश देने में बड़े विचारक होने की हवा का हल्ला रहता।

इधर धीरे-धीरे ऑनलाइन मीटिंग में भी भिया विचारक सिद्ध होने लगे। अपने दल में उनकी हवा बढ़ने लगी। वे एक बुद्धिजीवी की श्रेणी में आ गए। विचारक बनने की हवा ने बड़ा काम कर दिया। भिया विचारक की हवा से राजनीति में लंबा उड़ने की सोचने लगे। अपने दल की ओर से प्रवक्ता बनकर राष्ट्रीय मीडिया में बैठकर राष्ट्रीय स्तर पर हवा चलने के सपने आने लगे। भिया के चेले-चपाटे उनके लिए नए-नए मंचों का निर्माण करने लगे। विचारक बनने की हवा क्षेत्र में तीव्र गति से चलने लगी। पुराने विचारक और बुद्धिजीवी चिंतित होने लगे। भिया की विचारक बनने वाली हवा में पूरा क्षेत्र विकास की ओर अग्रसर होने लगा। *

लघुकथा / सुनील कुमार महला

कर्तव्यबोध

विशाखा एक शहर में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहती थी। कॉलोनी के बीचों-बीच एक सुंदर सार्वजनिक पार्क था। चारों ओर हरे-भरे पेड़-पौधे, रंग-बिरंगे फूल, बच्चों के झूले और फिसलन-पट्टी उसे जीवंत बनाते थे। सुबह-शाम कॉलोनी के बच्चे, बुजुर्ग और परिवार के लोग वहां टहलने, बैठकर बातें करने और समय बिताने आया करते थे। गर्मियों के दिन शुरू हुए तो किसी संवेदनशील व्यक्ति ने पक्षियों के लिए पेड़ों पर सात-आठ परिंडे (मिट्टी के बर्तन) टांग दिए। पार्क के एक कोने में दाना चुगने का स्थान भी बना था, जहां तोते, कबूतर, कौवे, गौरैया और मैना आदि पक्षी आकर दाना चुगते थे। जब भीषण गर्मी पड़ने लगी तो कुछ ही दिनों में उन परिंडों का पानी सूख गया। लोग रोज पार्क में आते, घूमते, बातें करते, बच्चे खेलते, लेकिन किसी की नजर उन सूखे परिंडों पर नहीं ठहरती। विशाखा की नजर भी कई बार उन पर पड़ती, लेकिन फिर भी उसने इस ओर ध्यान देने की जरूरत नहीं समझी। मन में बस यही विचार आता-यह काम मेरा अकेले का नहीं है, कॉलोनी में और भी तो लोग हैं। एक दिन उसका बेटा अमन पार्क में खेलते-खेलते उन परिंडों के पास पहुंच गया। उसने देखा कि वे पूरी तरह सूखे पड़े हैं। घर आकर उसने अपनी मां से कहा, 'मम्मा, पार्क में पक्षियों के परिंडों में कई दिनों से पानी नहीं है।' विशाखा ने सहज भाव से उत्तर दिया, 'कॉलोनी में इतने लोग हैं, क्या सिर्फ हमारी ही जिम्मेदारी है इन्हें भरने की?' अमन ने शांत स्वर में कहा, 'मम्मा, जिम्मेदारी सबकी होती है, लेकिन सब कुछ जानते हुए भी उसे निभाने से बचना सबसे बड़ी गलती है।' बेटे की बात सुनकर विशाखा कुछ पल के लिए मौन रह गई। उसे आभास हुआ, कभी-कभी छोटे बच्चे भी हमें बड़ा सच सिखा देते हैं। विशाखा को अपने कर्तव्यबोध का अहसास हो चुका था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

जब आदिवासी गाता है

पुस्तक: जब आदिवासी गाता है (कविता संग्रह), **रचनाकार:** जमुना बीनी, **मूल्य:** 250 रुपए, **प्रकाशक:** राधाकृष्ण पेपरबैक्स, दिल्ली

भारत के पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश से आने वालीं लेखिका जमुना बीनी का कविता संग्रह 'जब आदिवासी गाता है' कुछ समय पूर्व छपकर आया है। यहां, कहीं आदिवासी जीवन की त्रासदी का स्वर सुनाई पड़ता है, *'जिनको उखड़ना/ पड़ता है/ बार-बार/ अपनी जड़ों से/ उनके लिए/ वाकई/ भविष्य शब्द के/ क्या मायने हैं?'* (भविष्य)। तो कहीं प्रकृति से दूर किए जाने का दर्द भी छलकता है, *'पहाड़-पृथ्वी के प्राचीन वासी/ हमारे पुरातन संगी/ अलग नहीं कर सकते हम/ उनसे खुद को।'*(पहाड़ और आदिम निवासी)। कुछ कविताओं में आधुनिक जीवन में डिजिटल संक्रमण से पसरती संवेदनशून्यता को भी कवयित्री ने कटघरे में खड़ा किया है। इसकी बानगी इन पंक्तियों में देखी जा सकती है। *'निश्चय ही/ हमारी संवेदनाएं/ जंग खाती जा रही हैं/ वीभत्स में/ लोग अब/ लेने लगते हैं स्वाद'*(डर)। और *'जितना ज्यादा चॉइस/ उतनी अधिक कशमकश/ चॉइस की भरमार/ इनसान को/ उलझाते/ और/ भरमाते ज्यादा/ सुलझाते कम।'* (टेलिविजन चैनल)। *

MARUTI SUZUKI
NEXA
EXPERIENCE A NEW DAWN OF ELECTRIC MOBILITY.
Redefine your boundaries with Maruti Suzuki's First Electric SUV, the e VITARA.
Turn long drives into epic journeys, backed by India's Largest Fast Charging Network.
Designed to offer everything you expect from an SUV, and everything you didn't expect from an EV.
e VITARA
India goes electric
Introductory BaaS price
₹10.99 LAKH* + Battery EMI @ ₹3.99/km
e VITARA
INDIA'S LARGEST* FAST-CHARGING NETWORK
543km RANGE
543 km RANGE*
BHARAT NCAP
5 STAR SAFETY RATING BNCAP*
NEXA edge
60% ASSURED BUYBACK AFTER 3 YEARS
COMPLIMENTARY HOME CHARGER & INSTALLATION WORTH ₹50 000
8 YEARS WARRANTY • BATTERY: 8 YEARS • VEHICLE: 3+5(PAID) YEARS
COMPLIMENTARY CHARGING FOR 1 YEAR
SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU
E-BOOK TODAY @ WWW.NEXAEXPERIENCE.COM
*₹ 10.99 lakh for e VITARA Delta. Battery EMI: ₹ 3.99/km (subject to financier terms). Taxes and statutory charges are extra. Visit dealership for full T&Cs. | *As certified by Kantar IMRB for an OEM platform for end-to-end usage as on November 28, 2025. | *543 km range: Certified range; actual results may vary by driving conditions and usage. | *ADAS features are for driver assistance only. Driver is responsible for safe and attentive driving. | *Always wear your seatbelt. | *Mentioned ownership plan is for e VITARA Delta variant. Calculation is done assuming vehicle is running 60 km per day, excluding charging cost. Valid on retail sales for the e VITARA till 30th April '26, capped at 1 000 units of electricity (kWh) per customer or 1 Year from the purchase of the vehicle, whichever is earlier. Assured buyback plan is available on payment basis with the option of 3 years/45 000 km or 4 years/60 000 km ownership plans (whichever is earlier). The program is offered through an Insurance company. e VITARA comes with standard warranty of 3 years/1 00 000 km with an option of extending the same on payment basis to 5 years/1 40 000 km and service activated coverage for 6th to 8th year for EV related components.

हरिभूमि ने अफसरों से पूछा-आखिरी बैठक कब?, जवाब मिला-याद नहीं

फीस विनियमन अधिनियम के 6 साल: न बोर्ड लगे, न बैठकें हुईं, कई जिलों में समिति ही नहीं

रायपुर-रुचि वर्मा, दुर्ग-देवीलाल साहू, जगदलपुर- अनिल सामंत, राजनांदगांव-हफीज खान, धमतरी-दिलीप देवांगन, कांकेर- विजय पांडेय, महासमुंद- रत्नेश सोनी, कवर्धा- महेश मिश्रा की विशेष रिपोर्ट

अलग खबर

पालकों से थोक में प्राप्त शिकायतों के बाद 6 वर्ष पूर्व छत्तीसगढ़ अशासकीय फीस विनियमन अधिनियम 2020 लागू किया गया। कमेटी गठित हुई तो पालकों ने राहत की सांस ली। लेकिन यह कमेटी केवल कागजों में ही सांस ले रही है और पालक पुनः बेतहाशा फीस वृद्धि का सामना कर रहे हैं। इस अधिनियम के मुताबिक प्रदेश स्तर, जिला स्तर और स्कूल स्तर पर फीस नियामक समिति का गठन किया जाना अनिवार्य है। जिला स्तरीय समिति निजी स्कूलों द्वारा 8 प्रतिशत से अधिक फीस वृद्धि पर जांच करती है, जिसकी अध्यक्षता कलेक्टर करते हैं। राजधानी रायपुर में गठित कमेटी ने बीते 6 वर्षों में कोई कार्रवाई नहीं की, क्योंकि यहां तक शिकायत पहुंची ही नहीं। अधिनियम यह भी कहता है कि निजी स्कूलों ने फीस में कितनी वृद्धि की है, इसकी जानकारी बोर्ड लगाकर देनी है। यह बोर्ड लगभग सभी स्कूलों में गायब है। ना सिर्फ रायपुर बल्कि प्रदेश के अधिकर जिलों में यही स्थिति है।

जिम्मेदारों और पालकों का पक्ष- नासिर खोखर (अध्यक्ष, दुर्ग भिलाई पालक संघ): /"शिकायतों की कोई सुनवाई नहीं होती, जिससे थक-हारकर अब पालक भी खामोश हो गए हैं। क्रिस्टोफर पाल (प्रदेश अध्यक्ष, छग पेरेंट्स एसोसिएशन): /"जिला फीस समिति की बैठकों की जानकारी गुप्त रखी जाती है। पारदर्शिता का पूरी तरह अभाव है। शिक्षा विभाग का तर्कः रायपुर और अन्य जिलों के अधिकारियों का कहना है कि चूंकि लिखित शिकायतें नहीं मिल रही हैं, इसलिए कार्रवाई नहीं हो पा रही है। वहीं, कवर्धा जैसे जिलों में स्कूल स्तर की समितियों को ही पर्याप्त माना जा रहा है।

कवर्धा : यहां कमेटी ही नहीं

यहां जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में कोई केंद्रीकृत फीस निर्धारण समिति गठित नहीं है। जिला शिक्षा अधिकारी एफआर वर्मा ने स्पष्ट किया कि जिले में फीस निर्धारण के लिए कोई एकल जिला स्तरीय समिति नहीं है, बल्कि यह प्रक्रिया स्कूल स्तर की समितियों के जरिए ही पूरी की जा रही है। उन्होंने कहा कि नियमानुसार पारदर्शिता बनाए रखने का प्रयास शिक्षा विभाग द्वारा किया जाता है। प्रत्येक निजी स्कूल में फीस निर्धारण के लिए एक समिति बनाई जाती है, जिसमें पालक प्रतिनिधियों को शामिल किया जाता है। जिला शिक्षा अधिकारी के प्रतिनिधि के रूप में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाता है। शैक्षणिक सत्र शुरू होने से पहले इन समितियों की बैठक आयोजित कर फीस तय की जाती है।

जगदलपुर
जिला स्तरीय कमेटी ही गठित नहीं

बस्तर जिले में हालात यह हैं कि फीस तय करने के लिए जिला स्तरीय कमेटी का गठन तक नहीं हुआ है। जिन स्कूलों में कमेटी बनी है, वहां कागजों में चल रही कमेटी की एक बैठक तक नहीं हुई है। इस लापरवाही का फायदा निजी स्कूल संचालक उठा रहे हैं और अभिभावकों से मनमानी वसूली जारी है। जिला शिक्षा अधिकारी बीआर बघेल ने स्वीकार किया कि फीस निर्धारण कमेटी का गठन नहीं हुआ है, हालांकि उन्होंने 8 प्रतिशत से अधिक फीस वसूली पर शिकायत मिलने पर कार्रवाई की बात कही है।

दुर्ग
3 साल से बैठक नहीं

यहां गठित जिला फीस विनिमायक आयोग की बैठक कई सालों से नहीं हुई। कलेक्टर की अध्यक्षता वाली इस समिति के गठन के बाद तीन साल तक प्रत्येक सत्र में बैठक हुई। उसके बाद किसी ने सुध नहीं ली। निजी स्कूलों के लिए अनिवार्य है कि संबंधित नोडल अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी से बढ़ी हुई फीस को नोटिफाई करवाएं तभी इसे बच्चों के लिए लागू कर सकते हैं। बावजूद इसके इस नियम का पालन भी नहीं हो रहा है। सूत्रों के हिसाब से कुछ ही स्कूल इस नियम का पालन करते हैं बाकी नहीं। दुर्ग भिलाई पालक संघ के अध्यक्ष नासिर खोखर का कहना है, शिकायतों की कोई सुनवाई ही नहीं होती। पालक भी इसलिए खामोश हो गए हैं।

राजनांदगांव
सदस्यों के नाम सार्वजनिक नहीं, कैसे करें शिकायत?

नियमानुसार प्रत्येक 2 वर्ष में कमेटी का पुनर्गठन करके नए सदस्यों को जोड़ा जाना है। जिला स्तर की समिति में विभिन्न क्षेत्रों से 9 सदस्यों को शामिल किया जाता है। इसमें बुद्धिजीवी वर्ग, शिक्षाविद, कानून के जानकार, निजी स्कूलों के प्रतिनिधि और अभिभावक शामिल होते हैं। इस समिति के अध्यक्ष कलेक्टर और सचिव जिला शिक्षा अधिकारी होते हैं। वर्तमान में बनी जिला फीस समिति में कौन-कौन शामिल किए गए हैं, इसकी जानकारी भी सार्वजनिक नहीं है। डीईओ प्रवास सिंह बघेल का कहना है, शिक्षा सत्र के शुरुआत होने के पहले सभी निजी स्कूलों में पालकों की बैठक आहूत की जाती है। इस बैठक में कलेक्टर के प्रतिनिधि के तौर पर नोडल प्राचार्य शामिल होते है। फीस निर्धारण को लेकर पालकों से विचार-विमर्श होता है। वहीं छग पेरेंट्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिस्टोफर पाल ने कहा, जिला फीस समिति की बैठक कब होती है इसकी कहीं कोई जानकारी नहीं है।

कांकेर :शिकायत का इंतजार

जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला फीस समिति के पदेन सचिव रमेश निषाद के मुताबिक निजी विद्यालय द्वारा 8 प्रतिशत से अधिक फीस वृद्धि का प्रस्ताव समिति के पास नहीं भेजा गया है। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि जिले के किसी भी विद्यालय ने निर्धारित सीमा से अधिक फीस नहीं बढ़ाई है। इस व्यवस्था के चलते जिले में शिक्षा व्यवस्था संतुलित और नियंत्रित बनी हुई है।

जिला वर्तमान स्थिति, मुख्य समस्या

जगदलपुरः कमेटी का अस्तित्व नहीं जिला शिक्षा अधिकारी ने स्वीकार किया कि जिला स्तरीय कमेटी का गठन ही नहीं हुआ है।

दुर्ग : 6 साल से सन्नाटा कलेक्टर की अध्यक्षता वाले आयोग की बैठक सालों से नहीं हुई। नोडल अधिकारी से फीस नोटिफाई कराने का नियम ठंडे बस्ते में है।

राजनांदगांवः गोपनीयता का पर्दा कमेटी सदस्यों के नाम सार्वजनिक नहीं हैं। पालकों को पता ही नहीं कि शिकायत किससे और कहाँ करें।

कवर्धा : जिला कमेटी गायब यहाँ कोई केंद्रीकृत समिति नहीं है। सारा दारोमदार स्कूल स्तर की समितियों पर छोड़ दिया गया है।

कांकेर : 'सब ठीक' का दावा अधिकारियों का कहना है कि किसी स्कूल ने 8% से ज्यादा फीस नहीं बढ़ाई, इसलिए जाँच की जरूरत नहीं पड़ी।

महासमुंद/धमतरी शिकायतों का इंतजार विभाग का कहना है कि जब तक कोई शिकायत नहीं आती, तब तक कार्रवाई का आधार नहीं बनता।

महासमुंद व धमतरी
यहां शिकायत ही नहीं

डीईओ विजय लहरे ने बताया, फीस वृद्धि का आधार स्कूल में सुविधा विस्तार और छात्र संख्या होता है। दीर्घकालिक सुविधा विस्तार जैसे भवन, स्वीमिंग पूल आदि के विस्तार पर निर्धारित सीमा से अधिक शुल्क वृद्धि होने पर जिला समिति के समक्ष इसे पारित होना आवश्यक है। फिलहाल जिले में निर्धारित सीमा से अधिक शुल्क वृद्धि का कोई मामला सामने नहीं आया है। वहीं धमतरी डीईओ अभय कुमार जायसवाल के मुताबिक, जिला फीस समिति से अनुमति और आय-व्यय का ब्यौरा देना अनिवार्य है। यदि अभिभावक फीस समिति के निर्णय से संतुष्ट नहीं हैं तो वे 30 दिनों के भीतर अपील कर सकते हैं।

नियम क्या कहता है और हकीकत क्या है?

1 फीस वृद्धि की सीमाः यदि कोई स्कूल 8% से अधिक फीस बढ़ाता है, तो जिला स्तरीय समिति (जिसकी अध्यक्षता कलेक्टर करते हैं) द्वारा इसकी जाँच अनिवार्य है।

2 पारदर्शिताः प्रत्येक स्कूल को परिसर में एक सूचना बोर्ड लगाकर यह बताना होगा कि पिछले सत्र के मुकाबले कितनी फीस बढ़ाई गई है। हकीकतः अधिकांश स्कूलों में ऐसे बोर्ड सिरे से गायब हैं।

3 समिति का पुनर्गठनः नियमानुसार हर 2 साल में समिति का पुनर्गठन होना चाहिए, जिसमें शिक्षाविद, कानून के जानकार और अभिभावक प्रतिनिधि शामिल हों। हकीकतः दुर्ग और रायपुर जैसे बड़े जिलों में सालों से बैठकें तक नहीं हुई हैं।

सुपेबेड़ा के बाद अब 'पथर्री' बना किडनी का नया डेथ जोन, एक ही घर में 3 मौतें, 8 मौत से जूझ रहे

गोरेलाल सिन्हा ▶▶| गरियाबंद

सुपेबेड़ा को अब तक छत्तीसगढ़ भूला नहीं है। वहां किडनी की बीमारी से 133 लोगों की मौत हो चुकी है। अब फिंगेश्वर क्षेत्र का पथर्री गांव भी इस गंभीर संकट की चपेट में आ गया है। सुपेबेड़ा के बाद पथर्री में बीते दो वर्षों में गांव में 7 लोगों की मौत किडनी बीमारी से हो चुकी है, जबकि वर्तमान में 8 से अधिक लोग इस बीमारी से जूझ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि विश्वकर्मा परिवार में दो वर्ष पहले बेटे और बहू की मौत किडनी बीमारी से हो गई थी। वहीं एक साहू परिवार में बीते दौरान एक ही घर के तीन सदस्यों की मौत हो चुकी है। लगातार हो रही इन मौतों ने पूरे गांव को दहशत में डाल दिया है और लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। हाल यह है कि गांव की मितानिन खुद इस संकट से जूझ रही हैं। उनके पति किडनी बीमारी से पीड़ित हैं और नियमित डायलीसिस पर निर्भर हैं। वह अपने पति को हर बार इलाज के लिए महासमुंद अस्पताल लेकर जाती हैं, जो ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की वास्तविक स्थिति को उजागर करता है।

पानी में फ्लोराइड की मात्रा अधिक

ग्रामीणों के मुताबिक, बीमारी के पीछे दूषित पेयजल सबसे बड़ा कारण हो सकता है। जल परीक्षण में कई जगहों पर आयरन और फ्लोराइड की अधिक मात्रा पाई गई है, जो किडनी पर गंभीर असर डाल सकती है। इसके बावजूद गांव में शुद्ध पेयजल की स्थायी व्यवस्था अब तक नहीं हो सकी है, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। पथर्री की यह स्थिति इसलिए भी गंभीर मानी जा रही है क्योंकि सुपेबेड़ा गांव का उदाहरण पहले से सामने है, जहां पिछले 15 वर्षों में 133 से अधिक लोगों की मौत किडनी बीमारी से हो चुकी है।

बस्तर की दुर्गा...

नक्सलवाद का दंश झेल रहे बस्तर में अब बदलाव की बयार है। यह बदलाव उन बेटियों की बदौलत आ रहा है, जिन्होंने नक्सलियों के खौफ को ठेंगा दिखाकर वर्दी चुनी। आज हम बात कर रहे हैं सुकमा डीआरजी की जांबाज कमांडो दुर्गा मुचाकी की। दुर्गा बस्तर संभाग की इकलौती महिला कमांडो हैं, जो नक्सली आईईडी धमाके का शिकार हुईं, अपना अंग खोया, लेकिन उनका साहस आज भी अडिग है। दुर्गा का कहना है कि जैसे-जैसे बस्तर से नक्सलवाद खत्म हो रहा है, उनके शरीर के अंग-भंग होने का दर्द भी मिटता जा रहा है।

जांबाज बेटी ने धमाके में खोईं उंगलियां, पर नहीं डिगा हौसला, नक्सलवाद के खात्मे से मुस्कराई

राजेश दास ▶▶| जगदलपुर

हरिभूमि खास

मुचाकी दुर्गा के माता पिता नहीं चाहते थे कि बेटी पुलिस की नौकरी करे। वजह थी बेटी की चिंता। क्योंकि जिस समय उसने वर्दी पहनी उस वक्त नक्सलियों का इलाके में वर्चस्व था और हर माता पिता की तरह दुर्गा के माता पिता भी नहीं चाहते थे कि बेटी पुलिस की नौकरी करे। लेकिन बेटी के हौसले और घर की कमजोर आर्थिक स्थिति को देखते हुए उन्होंने बेटी को जाने से नहीं रोका। उनका परिवार विषम परिस्थितियों से गुजर रहा था। छोटे भाई की बीमारी की वजह से असमय मौत हो गई थी। परिवार में अब सिर्फ दो बहनें ही थी। माता पिता अब भी कोंटा स्थित घर में छोटी से दुकान चलाते हुए रोजमर्रा का सामान बेचते हैं और परिवार का भरण पोषण करते हैं।

मां बेहोश हो गई, पिता ने बढ़ाया हौसला -घटना की जानकारी लगते ही परिजन भी अस्पताल पहुंचे जहां मां भी उसकी हालत देखकर बेहोश हो गई लेकिन बड़ी बहन मुचाकी करूणा व पिता ने उसका हौसला बढ़ाया। घटना के बाद साथी जवान उसे तत्काल मुलेर स्थित सीआरपीएफ कैम्प ले गए जहां प्राथमिक उपचार के बाद चौपर से हायर सेंटर रायपुर ले जाया गया। एक माह रामकृष्ण अस्पताल में उपचार के बाद उसे 28 दिसम्बर को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। वह अब ठीक होकर ड्यूटी पर तैनात हो गई हैं।

नक्सलवाद के खात्मे के बाद लौटी मुस्कान

मुचाकी दुर्गा ने कहा कि अब नक्सलवाद लगभग समाप्ति पर है और इलाके में शांति देखकर उसे काफी सूकुन मिल रहा है। वह चाहती है कि जल्द से जल्द पूरा इलाका नक्सलमुक्त हो जाए और हमारा बस्तर पूर्व की तरह शांत हो जाए और लोग आपस में मिलजुल कर खुशहाल जीवन जीएं। नक्सलवाद के समाप्त होने पर अब ठीक लग रहा है और उसका दर्द भी समाप्त हो चुका है।

सुकमा डीआरजी की कमांडो दुर्गा मुचाकी की वीरता की दास्तां

नक्सल अभियानों का बनी हिस्सा

2021 में जब दुर्गा का चयन जिला बल में हो गया। उसके बाद वह डीआरजी का हिस्सा बनकर नक्सल अभियानों में टीम के साथ शामिल होती रही। आखिरकार वह दिन भी आया जब वह नक्सलियों के लगाए आईईडी की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गई। गुरूवार 27 नवम्बर 2025 को वह अपनी टीम के साथ एरिया डॉमिनेशन के लिए उसूर थाना क्षेत्र के पुजारी कांकेर व करेंगट्टा पहाड़ी की ओर जाने के लिए गोगुण्डा पहाड़ की चढ़ाई चढ़ रहे थे, दोपहर लगभग डेढ़ बजे का समय था। जब पहाड़ की चढ़ाई के दौरान आईईडी ब्लास्ट हुआ जो नक्सलियों ने पहले से फोर्स को नुकसान पहुंचाने के लिए प्लांट कर रखा था और वह उसकी चपेट में आ गई। जोरदार ब्लास्ट के साथ ही उसका बांया पैर प्रेशर आईईडी की चपेट में आ गया। मौके पर ही उसके पैर की कुछ उगंलिया कट गई। काफी खून निकलने व दर्द के चलते वह कुछ समय के लिए बेहोश हो गई।

C/PDCL छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड

(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम)
(छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल की उत्तरवर्ती कम्पनी)

क्र./का.यं./नगर सभाग-1/ विज्ञापन 103 बिलासपुर, दिनाँक 10-04-2026

नगर संभाग - एक (पूर्व) छ0स्टे0पा0डि0कं0लि0बिलासपुर के अंतर्गत समस्त सम्मानीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि अति उच्चदाब संभाग बिलासपुर द्वारा 220/132 केव्ही मोपका उपकेन्द्र मे आवश्यक रख-रखाव कार्य किया जाना है, जिसके कारण 33 केव्ही फीडर एवं निम्नालिखित उपकेन्द्र से निकले वाले सभी 11 केव्ही फीडर की विद्युत आपूर्ति दिनांक 13.04.2026 दिन सोमवार को सुबह 09:00 बजे से लेकर शाम 03:00 बजे तक बंद रहेगी, आवश्यकतानुसार परिवर्तन किया जा सकता है, असुविधा के लिये खेद है।

क्र.	जोन का नाम	सब स्टेशन	11 केव्ही फीडर	प्रभावित क्षेत्र
1	बसंत बिहार जोन	मोपका	11 केव्ही न्यू मोपका मोपका	पुराना बस्ती, मोपका चौक, पंचायत भवन, ग्लोरियस सिटी, श्यामा विहार, चिल्हाटी मोड, पैराडाईज सीटी आदि फीडर से संबंधित आप-पास का क्षेत्र।
			11 केव्ही महावीर सिटी	महावीर सिटी, रायल टाउन, माँ शारदा विहार, बालाजी गीन होम आदि फीडर से संबंधित आप-पास का क्षेत्र।
			11 केव्ही शिवम सिटी	मोपका चौक, होटल टेम्पटेशन, अंनता होम्स, विवेकानंद नगर, गुलाब नगर, शिवम अर्चिड, बालाजी ग्रीन होम्स, अमोला बिला, स्वर्ण रेसीडेंसी आदि फीडर से संबंधित आप-पास का क्षेत्र।
2	बसंत बिहार	आर. के. नगर	नगर 11 केव्ही आर.के.नगर	कल्याण बाग फेस 1. राजकिशोर नगर, टेलीफोन एक्सचेंज रोड आदि फीडर से संबंधित आप-पास का क्षेत्र।
			11 केव्ही अपोलो चौक	शीला पार्क, केसर आवास, प्रायमरी स्कूल, अम्बे रेसीडेंसी, अम्बे होम्स, दिव्या माउट, एफ.सी.आई गोडाउन, अपोलो चौक आदि फीडर से संबंधित आप-पास का क्षेत्र।
			11 केव्ही गार्डन सिटी	माखन लाल चर्तुवेदी नगर, शक्ति चौक, सुभाष कॉलोनी, पोस्ट आफिस, प्लास आदि फीडर से संबंधित आप-पास का क्षेत्र।
			11 केव्ही देवरीखुर्द	पंचवटी कॉलोनी, जाब कैसेल, बिलासा डेरी, कुटीपारा, रामकृष्ण नगर मोपका फेस-3 आदि फीडर से संबंधित आप-पास का क्षेत्र।
3	बसंत बिहार	गीतांजली सिटी	11 केव्ही गीतांजली सिटी	गीतांजली सिटी फेस 1 एवं 2, स्वर्णिम एरा आदि फीडर से संबंधित आप-पास का क्षेत्र।
			11 केव्ही चिंगराजपारा	प्रगति टावर, प्रगति बिहार, तिरूपति नगर, रिकांडो बस्ती, चिंगराजपारा, अशोक बिहार फेस-2, घासीदेव मंदिर आदि फीडर से संबंधित आप-पास का क्षेत्र।
			11 केव्ही भैसा बाजार	साईस कालेज, सब्जी मंडी चाटीडीह, अशोक विहार, सोनगंगा कॉलोनी, विजयापुरम कॉलोनी आदि फीडर से संबंधित आप-पास का क्षेत्र।
4	बसंत बिहार	लिंगिया डीह	11 केव्ही लिंगियाडीह	बजरंग चौक, होटल डाउन टाउन, जगनाथ मंगलम, ओमकार होम्स, गीता एरिटेज, व्ही आई पी सीटी, जाब इन्क्लेव, स्वर्ण रेसीडेसी फेस 1, 2, गुलाब नगर आदि फीडर से संबंधित आप-पास का क्षेत्र।
			11 केव्ही राजीव विहार	गोकुल धाम, सरयू विहार, पाटलीपुत्र नगर, इर्टन कोर्ट, एट मास्टपोयर, राजीव विहार, सिटी पार्क, नगर रोड मोपका फीडर आदि फीडर से संबंधित आप-पास का क्षेत्र।
			11 केव्ही दूरदर्शन	बहतराई स्टेडियम आदि आस पास का क्षेत्र।
5	बसंत विहार	बसंत विहार	11 केव्ही बसंत विहार	सूर्या बिहार, बालाजी पुरम, राधिका बिहार फेस 1. 2 एव 3. बसंत बिहार चौक, सीपत रोड आदि फीडर से संबंधित आप-पास का क्षेत्र।
			11 केव्ही साइंस कॉलेज	साइंस कॉलेज एवं आसपास का क्षेत्र।
6	बसंत विहार	सांईस कॉलेज सब स्टेशन	11 केव्ही अरपा रपटा	चांटीडीह से संबंधित क्षेत्र।
			11 केव्ही विजयपुरम	विजयपुरम एवं फीडर से संबंधित आप-पास का क्षेत्र।
			11 सोनगंगा	अंजनी बिहार, अशोक विहार, सोनगंगा कॉलोनी ईत्यादि क्षेत्र।
7	लिंक रोड	मधुबन	11 केव्ही गांधी चौक	मधुबन रोड, गांधी चौक, पुराना हाईकोर्ट, लक्ष्मी टाकीज, दयालबंद आदि फीडर से संबंधित आप-पास का क्षेत्र।
			11 केव्ही कतियापारा	कतियापारा, मोठवानी ट्रांसफार्मर आदि फीडर से संबंधित आस-पास का क्षेत्र।
			11 केव्ही नारियल कोठी	नारियल कोठी, जगमल चौक मधुबन, दयालबदं आदि फीडर से संबंधित आस-पास का क्षेत्र।
8	सिरगिट्टी	सिलप हरी	11 केव्ही मानिकपुर	मानिकपुर, सिलपहरी एवं फीडर से संबंधित आस-पास का क्षेत्र।
			11 केव्ही हरदी	हरदीकला एवं फीडर से संबंधित आस-पास का क्षेत्र
			11 केव्ही कोरमी	बसिया, कोरमी, भंगडा, नगपुरा एवं फीडर से संबंधित आस-पास का क्षेत्र।
			11 केव्ही धूमा	ग्राम धुमा एवं फीडर से संबंधित आस-पास का क्षेत्र।
			11 केव्ही सी.एस.आई.डी.सी.	समस्त औद्योगिक क्षेत्र सिलपहरी एवं फीडर से संबंधित आस-पास का क्षेत्र।
9		220/132 केव्हीए मोपका	33 केव्ही मधुबन, सेन्द्री, आर. के. नगर, वृहस्पति बाजार फीडर	उच्चदाब उपभोक्ता एस.ई.सी.एल, रेल्वे लोको, फेरो, मैग्नेटो मौल, कष्णा शॉपिंग प्लाजा, किम्स, ईस्ट पार्क, अपोलो हॉस्पिटल चावला ग्रीन्स, स्मृति वन आदि।
10		132/32 केव्हीए सिलपहरी	33 केव्ही एस.एस 2, सेक्टर-बी (सी.जी.आरोरा)	अग्रवाल स्ट्रक्चर, आभा पावर, सी.जी. आरोरा, बिल्सन रूफींग, ऑयरन स्टील, हनुमत अग्रवाल स्ट्रक्चर

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा का संरक्षण करें एव समय पर बिजली बिल का भुगतान करें।

कार्यपालन यंत्री नगर संभाग- एक (पूर्व)
छ.स्टे.पा.डि.कं लि. बिलासपुर

सं.-

कार्यालय नगरपालिक निगम, जगदलपुर, जिला-बस्तर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Protal: http://eproc.cgstate.gov.in

क्रमांक / 112/ नपानि/लोनिवि / 2026 जगदलपुर दिनांक 10/04/2026

नगरपालिक निगम जगदलपुर द्वारा निम्नांकित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

S. No.	NIT No.	System Tender No.	Name of Work	(PAC) Lakhs	Amount of Earnest Money	Tender Proc. Fee
1	196	188029	Proposed Construction Of Ghat At-Sardar Vallabh Bhal Patel Ward No -46, Jagdalpur (IIIrd Call)	19.60	15000.00	1000.00
2	197	188030	Proposed Construction Of Park At - Pandit Sundarlal Sharma Ji Ward No.32, (IIIrd Call)	19.63	15000.00	1000.00
3	198	188031	Proposed Mural Painting Work In Front Of Central Library, Ward No -15, At-Jagdalpur (C.G.) (IIIrd Call)	38.74	30000.00	1500.00
4	199	188032	Beautification Of Dr. Rajendra Prasad Garden, Jagdalpur ((IIIrd Call)	25.60	20000.00	1500.00
5	200	188033	Beautification Of Vishwakarma Mandir Garden Near Ganga Mundatalab (IIIrd Call)	14.71	12000.00	1000.00
6	201	188034	Renovation And Beautification Of Ghat And Shiv Murti. (IIIrd Call)	14.71	12000.00	1000.00
7	203	1880651	Construction of RCC drain and culvert behind Commissioner house at Baliram kashyap ward No. 43(VIth Call)	13.95	12000.00	750.00
8	204	1880652	Construction of Anganwadi building including internal electrification and rainwater harvesting at Rajendra Nagar Ward 21 (IIIrd Call)	12.00	12000.00	750.00

निविदा प्रपत्र पर ऑनलाइन वेबसाईट (Main Protal: http://eproc.cgstate.gov.in) पर दिनांक 23/04/2026 को सांय 5.30 बजे तक देखे/क्रय एवं निविदा की कार्यवाही किये जा सकते हैं। अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा विवरण उपरोक्त वेबसाईट एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के वेबसाईट http://uad.cg.gov.in मे भी देखी जा सकती है। निविदा शर्तें, बी.ओ.क्यू. सूचना में किसी प्रकार का संशोधन किये जाने पर उपरोक्त वेवसाईट मे भी देखी जा सकती है। संशोधन सूचना, समाचार पत्र पर प्रकाशित नहीं किया जावेगा ।

टीप :- निविदा प्रपत्र ऑनलाईन कय करने हेतु सक्षम श्रेणी पंजीकृत ठेकेदारों को उक्त वेबसाईट में पंजीकरण अनिवार्य है। टेंडर डाकुमेंट एण्ड प्रोसेसिंग शुल्क राशि का डी.डी. जो आयुक्त नगरपालिक निगम जगदलपुर के पक्ष में देय तथा किसी राष्ट्रीयकृत बैंक से जारी हो जमा किया जाना अनिवार्य है ।

संवाद- 47478 "स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत निर्माण में योगदान दें" आयुक्त, नगरपालिक निगम, जगदलपुर

कार्यालय, नगर पालिक निगम कोरबा (छत्तीसगढ़)

फा.क./ संपदा/15/भवन /2026/314 कोरबा दिनांक 07/04/26

लीज हस्तांतरण हेतु आम सूचना

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित व्यक्तियों के द्वारा आबंटित भवन के विक्रय/लीज हस्तांतरण के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था/निकाय को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मय प्रमाण सहित इस आम सूचना प्रकाशन तिथि से 30 दिवस के भीतर नगर पालिक निगम कोरबा कार्यालय साकेत भवन में उपस्थित होकर अथवा अपने प्रतिनिधि के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। विवरण निम्नानुसार है:-

क्र	लीजकर्ता का नाम	लीज ग्रहिता का नाम	योजना का नाम	प्रकार/क्रमांक
भवन				
1	श्रीमती सुधा देवी शर्मा पति श्री अरविंद शर्मा द्वारा अल्फोस प्रेमलाल तिरू, शाखा प्रमुख, पंजाब नेशनल बैंक, शाखा-कोरबा (छ.ग.)	श्री संतोष सोनी पिता जमुना प्रसाद सोनी, निवासी बी-244 आदर्श नगर कुसमुण्डा, जिला-कोरबा (छ.ग.)	नेहरू नगर कोरबा	सीनियर एम.आई.जी. ए/89
2	विमल कुमार केडिया, पिता स्व.विश्वनाथ केडिया एवं श्रीमती ममता केडिया पति श्री विमल केडिया, निवासी एच.आई.जी. 47 एम.पी. नगर -कोरबा, तहसील व जिला-कोरबा (छ.ग.)	श्रीमती बबीता यादव, उम्र 45 वर्ष, पति श्री अनिमेश कुमार यादव, निवासी- 1बी / 48 एस.बी.एस. कॉलोनी, एस.ई.सी.एल. कोरबा, व तहसील व जिला- कोरबा (छ.ग.)	एच.आई.जी. 31	पं. रविशंकर शुक्ल नगर कोरबा
3	श्रीमती गीता कुर्रे पति स्व.सिद्धार्थ कुर्रे, निवासी- एल.आई.जी. 61 महाराणा प्रताप नगर, तहसील व जिला-कोरबा (छ.ग.)	जैबुन निशा, उम्र 60 वर्ष, पति मो. नईम, निवासी म.नं. ई.डब्ल्यू.एस. 112 महाराणा प्रताप नगर कोरबा, तहसील व जिला कोरबा (छ.ग.)	एल.आई.जी. 61	महाराणा प्रताप नगर कोसाबाड़ी कोरबा
4	कथा धर पिता श्री रंजीत धर, निवासी एम.आई.जी. 13 पं. रविशंकर शुक्ल नगर कोरबा, तहसील व जिला-कोरबा (छ.ग.)	निखिल कुमार पालीवाल पिता श्री गोविंद राम पालीवाल एवं श्रीमती शशिलता पालीवाल पति श्री गोविंद राम पालीवाल, दोनो निवासी जी-20 शिव मंदिर के पास, निगम कॉलोनी कोरबा, तहसील व जिला- कोरबा (छ.ग.)	एम.आई.जी. 13	पं. रविशंकर शुक्ल नगर कोरबा
5	श्रीमती मंजुला पाण्डेय, पति श्री जगदीश प्रसाद पाण्डेय, निवासी - एल.आई.जी. 06, दुर्गा पण्डाल महाराणा प्रताप नगर कोरबा, तहसील व जिला-कोरबा (छ.ग.)	श्रीमती मनीषा यादव, उम्र 36 वर्ष, पति श्री ललित यादव, निवासी - क्वा.नं. 890-892/4/2ए बाल्को नगर कोरबा, तहसील व जिला - कोरबा (छ.ग.)	एल.आई.जी. 06	महाराणा प्रताप नगर कोसाबाड़ी कोरबा

संपदा अधिकारी, नगर पालिक निगम कोरबा (छ.ग.)

श्रेयस-प्रभसिमरन-प्रियांश ने खेली तूफानी पारी

पंजाब किंग्स की जीत जारी, सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ चेज किए 220 रन, 6 विकेट से पीटा

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

पंजाब किंग्स ने कप्तान श्रेयस अय्यर की 69 रन की नाबाद अर्धशतकीय पारी के दम पर शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को छह विकेट से हरा दिया। सनराइजर्स हैदराबाद ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (74 रन) के अर्धशतक और ट्रेविस हेड के साथ पहले विकेट के लिए 50 गेंद में 120 रन की साझेदारी से छह विकेट पर 219 रन का स्कोर खड़ा किया।

पंजाब किंग्स ने अय्यर (33 गेंद, पांच चौके, पांच छक्के), प्रियांश आर्य (57) और प्रभसिमरन सिंह (51) के अर्धशतकों से यह लक्ष्य 18.5 ओवर में चार विकेट पर 223 रन बनाकर हासिल कर लिया। पंजाब किंग्स ने शानदार खेल जारी रखते हुए आईपीएल 2026 में तीसरी जीत हासिल की। यह पंजाब की चार मैच में तीसरी जीत है। उसका एक मैच बारिश से धुल गया था। वहीं हैदराबाद को चार मैच में तीसरी हार का सामना करना पड़ा।

प्रियांश और प्रभसिमरन ने की 99 रन की साझेदारी

प्रियांश और प्रभसिमरन की जोड़ी ने तूफानी बैटिंग करते हुए पंजाब को पावरप्ले में ही आगे कर दिया। इन दोनों ने 99 रन की साझेदारी की। हैदराबाद का कोई बॉलर इन पर अंकुश नहीं लगा सका. प्रियांश ने 20 गेंद में पांच छक्के व इतने ही चौके लगाते हुए 57 रन की पारी खेली। प्रभसिमरन ने 25 गेंद में चार छक्के व इतने ही चौके लगाते हुए 51 रन बनाए। ये दोनों बल्लेबाज 18 रन के अंतराल में आउट हुए। तीसरे नंबर पर आए कूपर कोनोली 11 रन बना सके और सस्ते में निपट गए।

अभिषेक ने 254 के स्ट्राइक रेट से बनाए 74 रन

अभिषेक के बल्ले से पंजाब के खिलाफ 28 गेंदों पर 74 रन निकले और इस दौरान उन्होंने 8 छक्के व 5 चौके भी लगाए। उनका स्ट्राइक रेट इस दौरान 254.29 का रहा। अभिषेक ने इस मैच में अपना अर्धशतक 18 गेंदों पर पूरा किया और वो आईपीएल में 20 से कम गेंदों पर अर्धशतक लगाने का कमाल 5वीं बार किया। इससे पहले इस लीग में 20 से कम गेंदों पर ऐसा कमाल 4 बार निकोलस पूरन कर चुके हैं और अब वो अभिषेक से नीचे यानी दूसरे नंबर पर आ गए। वैभव ने ऐसा इस लीग में अब तक 3 बार किया है और वो लिस्ट में तीसरे नंबर पर जैक फ्रेजर मैकगर्क के साथ संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर हैं।

अय्यर जीत दिलाकर लौटे

हैदराबाद की वापसी की किसी भी उम्मीद को कप्तान श्रेयस अय्यर ने जगने नहीं दिया। उन्होंने एक छोर थाम लिया और जबरदस्त अर्धशतक बनाया। नेहाल वढ़ेरा (14) की खराब फॉर्म जारी रही। लेकिन अय्यर और शशांक ने मिलकर सात गेंद बाकी रहते टीम को आसान जीत दिला दी। शशांक 9 गेंद में 16 रन बनाकर नाबाद रहे। हैदराबाद की ओर से शिवांग कुमार ने तीन विकेट लिए।

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4	6
अभिषेक शर्मा का अर्शदीप बो शशांक	74	28	5	8
ट्रेविस हेड का बार्टलेट बो शशांक	38	23	5	1
ईशान का यानसेन बो अर्शदीप	27	17	3	1
क्लासेन का कोनोली बो बार्टलेट	39	33	1	1
अनिकेत वर्मा रन आउट	18	9	1	1
अरोड़ा का बार्टलेट बो अर्शदीप	09	8	0	1
नीतिश कुमार रेड्डी नाबाद	00	1	0	0
हर्ष दुबे नाबाद	01	2	0	0

अतिरिक्त : 13, कुल योग : 20 ओवर में 219/6 रन
गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-50-2, बार्टलेट 4-0-42-1, यानसेन 4-0-40-0, विशाक 2-0-33-0, शशांक 3-0-20-2, चहल 3-0-33-0

पंजाब किंग्स :	रन	गेंद	4	6
प्रियांश आर्य का रेड्डी बो शिवांग	57	20	5	5
प्रभसिमरन का क्लासेन बो शिवांग	51	25	4	4
कोनोली का वर्मा बो शिवांग	11	12	1	0
श्रेयस अय्यर नाबाद	69	33	5	5
नेहाल वढेरा बो हर्ष दुबे	14	14	0	1
शशांक सिंह नाबाद	16	10	1	1

अतिरिक्त : 05, कुल योग : 18.5 ओवर में 223/4 रन
गेंदबाजी : हर्ष दुबे 4-0-38-1, उनादकट 3-0-40-0, मलिंगा 3-0-46-0, हर्षल पटेल 2-0-39-0, शिवांग कुमार 4-0-33-3, नीतिश कुमार रेड्डी 2-0-20-0, अभिषेक शर्मा 0.5-0-7-0

आईपीएल

सैमसन ने की गजब वापसी, लगाया सीजन का पहला शतक, 52 बॉल में ठोकी सेंचुरी

205 के स्ट्राइक रेट से खेली नाबाद पारी

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

आईपीएल 2026 का 18वां मैच चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला गया। चेन्नई ने इस मुकाबले में दिल्ली को 23 रनों से हराया। चेन्नई के लिए यह इस सीजन की पहली जीत है। वहीं आईपीएल 2026 के पहले तीन मैचों में फ्लॉप होने के बाद संजू सैमसन ने गजब की वापसी की और इस लीग के 18वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाने में सफल रहे। इस दौरान संजू ने 52 बॉल में सेंचुरी ठोकी। संजू के आईपीएल कॅरियर का ये चौथा शतक रहा जबकि ये उनके टी20 क्रिकेट कॅरियर का 7वां शतक भी रहा। यह आईपीएल 2026 का पहला शतक भी है। अंत में सैमसन ने 56 गेंदों में 115 रन बनाए और सीएसके ने 20 ओवर में 212/2 का बड़ा स्कोर खड़ा किया। दिल्ली कैपिटल्स की टीम इस टारगेट को हासिल नहीं कर पाई। उनकी टीम 20 ओवर बैटिंग करने के बाद 189 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इस मैच में चेन्नई के लिए संजू सैमसन ने शतक लगाया है। आयुष म्हात्रे ने 36 बॉल पर 59 रन की पारी खेली। दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से इस मैच ट्रिस्टन स्टब्स ने अर्धशतक लगाया। स्टब्स ने 38 बॉल पर 60 रन की पारी खेली। वहीं पथुम निसंका ने 24 बॉल 41 रन बनाए। चेन्नई के लिए जेमी ओवरटन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 14 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए।

■ चेन्नई ने खोला जीत का खाता, दिल्ली कैपिटल्स को 23 रनों से हराया

संजू ने 52 गेंदों पर लगाया शतक

संजू सैमसन ने इस मैच में 52 गेंदों पर चौके के साथ शतक पूरा किया और आईपीएल में ये उनके कॅरियर का सबसे तेज शतक भी रहा। इस मुकाबले में संजू ने 56 गेंदों पर नाबाद 115 रन की पारी खेली और इस दौरान उनके बल्ले से 4 छक्के और 15 चौके निकले जबकि उनका स्ट्राइक रेट 205.36 का रहा। संजू ने इस मैच में पहले विकेट के लिए ऋतुराज गायकवाड़ के साथ मिलकर 62 रन जबकि दूसरे विकेट लिए आयुष म्हात्रे के साथ मिलकर 113 रन की साझेदारी की।

सैमसन ने टी20 में पूरे किए 400 छक्के

संजू सैमसन ने अपनी इस पारी के दौरान टी20 क्रिकेट कॅरियर में 400 छक्के भी पूरे किए और क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारुप में ऐसा करने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज भी बने। संजू से पहले टी20 में 400 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज रोहित शर्मा, विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव थे। रोहित ने अब तक 554 जबकि कोहली ने 441 तो वहीं सूर्यकुमार यादव ने 442 छक्के लगाए हैं। संजू सैमसन ने बतौर विकेटकीपर आईपीएल में दूसरा शतक लगाया और उन्होंने एडम गिलक्रिस्ट, केएल राहुल, क्विंटन डिकॉक और ऋषभ पंत की बराबरी कर ली।

वानखेड़े में गरजेगी मुंबई आरसीबी को देगी कड़ी टक्कर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग में अपने अभियान की धीमी शुरुआत के बाद मुंबई इंडियंस रविवार को वानखेड़े स्टेडियम पर गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलेगी तो उसका लक्ष्य अपने गढ़ में जीत की राह पर लौटने का होगा। तेरह सत्र में पहली बार मुंबई ने आईपीएल में जीत के साथ शुरुआत करते हुए दो सप्ताह पहले यहां कोलकाता नाइट राइडर्स को छह विकेट से हराया। पांच बार की चैंपियन टीम हालांकि उसके बाद लय कायम नहीं रख सके और दूसरे मैदान पर दोनों मैच बड़े अंतर से हारने के बाद अब खराब रन रेट (माइनस 0.715) के साथ आठवें स्थान पर है।

नहीं चल पा रहे तिलक और सूर्या

आज शाम 7.30 बजे से रजत और हार्दिक की टीम में टक्कर

रोहित शर्मा को कुछ समय के लिए आरेंज कैप भी मिली लेकिन बल्लेबाजी मुंबई की चिंता का सबब है और आरसीबी जैसे दमदार प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक ईकाई के रूप में उसे अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी। मैच टाइम कम रहने के बावजूद रोहित ने अब तक मुंबई के लिए सर्वाधिक रन बनाए हैं लेकिन मध्यक्रम में तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव नहीं चल पा रहे।सूर्यकुमार ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अर्धशतक बनाया लेकिन राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अगले मैच में नाकाम रहे। कप्तान हार्दिक पंड्या का बल्ला अभी तक चला नहीं है। गुवाहाटी में बल्लेबाजों की मददगार पिच पर मुंबई के बल्लेबाज लय को तरसते रहे।

आरसीबी के पास कई बेहतरीन बल्लेबाज

बल्लेबाजों की मददगार पिच पर आरसीबी के पास कई बेहतरीन बल्लेबाज हैं। कप्तान रजत पाटीदार (142) , विराट कोहली (129) और देवदत्त पडिक्कल (125) ने अच्छी पारियां खेली है जबकि टिम डेविड (99), रोमारियो शेफर्ड और वेंकटेश अय्यर फिनिशर की भूमिका निभा सकते हैं। जोश हेजलवुड की वापसी से

15 वर्ष की उम्र में सूर्यवंशी काफी परिपक्व : भुवनेश्वर

गुवाहाटी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि वैभव सूर्यवंशी की उम्र भले ही 15 साल हो लेकिन वह काफी परिपक्वता और स्पष्टता के साथ बल्लेबाजी करते हैं। भुवनेश्वर ने कहा,' जिस तरह से वह शॉट्स खेलता है, वह बाकायदा क्रिकेट शॉट होते हैं। 15 वर्ष की उम्र में वह काफी परिपक्व है।

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। माता-पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर भी ध्यान दें। पिता का साथ मिलेगा। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। बौद्धिक कार्यों से आय बढ़ेगी।

मिथुन — मन परेशान रहेगा। संयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। भाइयों के सहयोग से नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

तुला — मन प्रसन्न रहेगा। परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृश्चिक — आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी।

धनु — आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में आशातीत परिणाम मिलेंगे।

मकर — वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा। फिर भी व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

मीन — परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाना हो सकता है।

आईकेआर: शीर्ष पर पहुंची 11 वर्षीय अतिका

लोनाटो। भारतीय रेसिंग की युवा सनसनी अतिका मीर एफआईए इंटरनेशनल कार्ट रैंकिंग (आईकेआर) में महिला वर्ग में अपनी श्रेणी में शीर्ष पर पहुंच गई हैं। अतिका मोटरस्पोर्ट की विश्व संस्था एफआईए की विश्व रैंकिंग में महिला रेसर में पहले स्थान पर हैं। यह 11 वर्षीय खिलाड़ी इंटरनेशनल ओके-एनजे वर्ग (12-14 वर्ष आयु वर्ग) में पुरुष और महिला दोनों वर्ग को मिलाकर कुल सातवें स्थान पर है। इस श्रेणी की रैंकिंग में स्विट्जरलैंड के जोल्टन कोइग्नी शीर्ष पर हैं। अतिका के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें 2026 की शुरुआत में मिनी वर्ग (8-12) से जूनियर वर्ग (12-14 वर्ष की आयु) में शामिल कर दिया गया था। वह पिछले महीने वालेंसिया में चैंपियंस ऑफ द फ्यूचर एकेडमी (सीओटीएफए) सीरीज के पहले दौर में पोडियम पर पहुंची थी।

गुमशुदा

नाम- मनीष नागवंशी
पिता-इंदल नागवंशी
रंग- गोरा (चेहरे पर मसा)
ऊंचाई -5 फीट

जो दिनांक 06 -04-2026 से लापता है, व्यक्ति मानसिक रोगी है, आखिरी बार लोवर शर्ट में घर से निकला है, लोवर ग्रे रंग का और शर्ट का रंग नीला है। आप सभी से निवेदन है कि ये व्यक्ति किसी के संपर्क में आता है तो कृपया इसकी जानकारी प्रदान करें। ढूंढने वाले व्यक्ति को 5000 रूपये ईनाम दिया जायेगा।

वार्ड नं 12, विजय नगर, दुर्ग (छ.ग.)
संपर्क : 77708-87117, 91119-89600

न्यायालय-आयुक्त कर्मचारी प्रतिकर अधिनियम, श्रम न्यायालय जांजगीर-चांपा (छ.ग.)
प्र.क्र.-06/ई.सी.ए./सीओसी-1-बी / 2026 (एफ.) डिपो.

-सूचना पत्र-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नियोक्ता मेसर्स श्री आर. कोडी फ्लोरिस राईस मिल प्राय. लिमि., के अधिन नियोजित कामगार स्व. श्री गंगाराम पटेल की दिनांक 25.02.2026 को कार्य के दौरान दुर्घटना कारित होने से मृत्यु हो गई है, जिसका क्षतिपूर्ति धनराशि रूपए 1236387-00 (बारह लाख छत्तीस हजार तीन सौ सतयासी रूपए) वितरण की कार्यवाही के लिए दिनांक 12.05.2026 नियत है।

अतः जो भी व्यक्ति मृतक स्व. स्व. श्री गंगाराम पटेल का आश्रित, कर्मचारी प्रतिकर अधिनियम 1923 की धारा 2 (1) (डी) के अंतर्गत होना समझता हो, वह न्यायालय के समक्ष दिनांक 12.05.2026 को दिन के 11:00 बजे उपस्थित होकर मृतक के आश्रित होने का साक्ष्य व प्रमाण पेश करें एवं मृतक के नियोक्ता द्वारा प्रमाणित स्वयं का फोटो तथा परिचय पत्र पेश करें।

आज दिनांक 09.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय के सीलमुद्रा प्रसारित।

आयुक्त, कर्मचारी प्रतिकर अधिनियम
श्रम न्यायालय जांजगीर चांपा (छ.ग.)

भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित कवर्धा

शक्कर विक्रय हेतु ई-निविदा आमंत्रण सूचना

भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित कवर्धा द्वारा उत्पादन वर्ष 2025-26 मे उत्पादित शक्कर में से लगभग 3080 क्विं. एस - 30 ग्रेड शक्कर (जो कम / ज्यादा हो सकती है) के विक्रय हेतु कारखाने कार्यालय मे दिनांक 13/04/2026 से 17/04/2026 को दोपहर 02:00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा में शक्कर क्रय हेतु न्यूनतम मात्रा 500 क्विंटल होगी, इससे कम मात्रा हेतु निविदा स्वीकार नही की जायेगी, ई-निविदा दिनांक 17/04/2026 को दोपहर 02:00 बजे पश्चात खोला जायेगा, जिसमे निविदाकार / प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते है। निविदा प्रपत्र में प्रस्तावित शक्कर के क्रय मूल्य का 10% ई. एम. डी. राशि केवल आर.टी.जी.एस./ बैंक ट्रांस्फर के माध्यम से भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्या. कवर्धा के नाम एकाउन्ट नम्बर 19012191000743 पंजाब नेशनल बैंक कवर्धा शाखा आईएफएससी कोड PUNB0208520 में जमा करना अनिवार्य होगा। निविदाकार को शक्कर क्रय हेतु निविदा ई-टेंडर वेबसाइड https:eproc.cgstate.govt.in में अपलोड किया जाना होगा। विस्तृत जानकारी कारखाना कार्यालय वेबसाइड www.Bssuk.co.in., एवं मो. नं. 9039584027, 9179197556 से प्राप्त की जा सकती है।

महाप्रबंधक

कार्यालय नगर पालिक निगम, बिलासपुर (छ.ग.)

क्र. 79/न.पा.नि./जोन क्र.05/2025-26 — बिलासपुर दिनांक 08/04/2026

कर निर्धारण के खातों में नाम परिवर्तन संबंधी सूचना

छ.ग. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के अनुसार भूमि / मकान / हिस्सा के कर निर्धारित के खातो में नाम परिवर्तन के संबंध में जोन क्र. 05 निगम औषधालय, नगर पालिक निगम बिलासपुर में आवेदन प्राप्त हुआ है। यदि किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो इस सूचना प्रकाशन तिथि के 15 दिवस के भीतर नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.) के जोन क्र. 05 (निगम औषधालय) में आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा। विज्ञापन माह (मार्च - 2026)

क्र.	वार्ड क्र	मोहल्ला	रसीद क्र./ दिनाँक	जिसके नाम पर दर्ज है	जिसके नाम पर दर्ज करना है	आधार
1	31	सरजू बगीचा	16032/83 18.02.26	श्री विजय बहादुर पिता श्री मोहन लाल	श्री रामगोपाल सोनी पिता श्री रंगलाल सोनी	बिक्री पत्र, आर्डरशीट, संधारण खसरा, शपथ पत्र
2	37	डिपरापारा	16032/84 18.02.26	श्रीमती दुर्गावती अग्रहरी पति स्व. बच्चु लाल अग्रहरी	अशोक कुमार अग्रहरी पिता स्व. बच्चुलाल अग्रहरी	मृत्यु प्रमाण पत्र, बी-1, पी-2, डायवर्सन प्रपत्र, शपथ पत्र
3	34	अग्रसेन चौक	16032/86 23.02.26	श्री राजेश छाबडा पिता श्री चरनजीत लाल छाबडा	श्री अंकित छाबडा पिता श्री राजेश छाबडा	दान पत्र, बी-1, पी-2, शपथ पत्र
4	34	अग्रसेन चौक	16032/87 23.02.26	श्री चरणजीत लाल छाबडा पिता स्व. जगत राम छाबडा	श्री अंकित छाबडा पिता श्री राजेश छाबडा	दान पत्र, बी-1, पी-2, शपथ पत्र
5	34	अग्रसेन चौक	16032/88 23.02.26	श्रीमती शोभारानी छाबडा पति श्री चरणजीत छाबडा	श्री अंकित छाबडा पिता श्री राजेश छाबडा	दान पत्र, बी-1, पी-2, शपथ पत्र
6	34	अग्रसेन चौक	16032/089 23.02.26	श्री चरणजीत लाल छाबडा पिता स्व. जगत राम छाबडा	श्री अंकित छाबडा पिता श्री राजेश छाबडा	दान पत्र, बी-1, पी - 2, शपथ पत्र
7	40	निराला नगर	16032/90 26.02.26	स्व. हरीशंकर तिवारी पिता स्व. बंम्हानंद तिवारी	श्री हर्ष तिवारी पिता स्व. हरीशंकर तिवारी	वसीयतनामा मृत्यु प्रमाण पत्र, बी-1, पी-2. डायवर्सन
8	40	निराला नगर	16032/91 26.02.26	स्व. हरीशंकर तिवारी पिता स्व. बंम्हानंद तिवारी	श्री हर्ष तिवारी पिता स्व. हरीशंकर तिवारी	वसीयतनामा मृत्यु प्रमाण पत्र, बी-1, पी-2. डायवर्सन
9	35	जूना बिलासपुर	16032/92 02.03.26	श्री हर्ष मिश्रा पिता स्व. कमल मिश्रा	प्रियंका कश्यप पिता श्री चन्द्र कुमार कश्यप	बिक्री पत्र, कब्जा प्रमाण पत्र, शपथ पत्र
10	35	जूना बिलासपुर	16032/93 02.03.26	श्री हर्ष मिश्रा पिता स्व. कमल मिश्रा	श्रीमती कुमारी बाई यादव पति श्री दुखी यादव	बिक्री पत्र, कब्जा प्रमाण पत्र, शपथ पत्र
11	31	जुना लाईन	16032/94 06.03.26	श्री कन्हैया लाल गुरुवानी पिता श्री हाटचंद गुरुवानी	श्री अशोक कुमार गुरुवानी पिता श्री कन्हैया लाल गुरूवानी	राजस्व आदेश, पंजीकृत रजिस्ट्री, नजुल शीट, शपथ पत्र
12	34	तेलीपारा	16032/95 09.03.26	श्री विशाल सिंह राघव पिता श्री आत्माराम राघव	श्री योगेश कुमार राघव पिता श्री विशाल सिंह राघव	दान पत्र, बी-1, पी-2, शपथ पत्र
13	34	कश्यप कालोनी	16032/96 09.03.26	स्व. मोहन लाल चौधरी पिता स्व. तेजुमल चौधरी	श्री शंकर चौधरी पिता स्व. मोहन लाल चौधरी	दान पत्र, बी-1, पी-2, डायवर्सन पत्र, शपथ पत्र
14	34	जूना बिलासपुर	16032/97 09.03.26	श्री मोतीचंद देवांगन, स्व. देवचंद देवांगन दोनो पिता श्री बहोरिक लाल देवांगन	श्री सुभाष चंद देवांगन पिता स्व. देवचंद देवांगन	रजिस्ट्री पत्र, कब्जा प्रमाण पत्र, शपथ पत्र
15	31	खपरगंज	16032/98 11.03.26	श्री मोहसीन भाई पिता श्री अब्दुल हुसैन	हाजरा बाई, मुर्तजा अली, शब्बरी हुसैन, पिता/पति मोहसीन भाई	नजुल अधिकारी का आडरशीट, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र
16	31	खपरगंज	16032/99 11.03.26	श्री मोहसीन भाई पिता श्री अब्दुल हुसैन	हाजरा बाई, मुर्तजा अली, शब्बरी हुसैन, पिता/पति मोहसीन भाई	नजुल अधिकारी का आडरशीट, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र
17	31	खपरगंज	16032/100 11.03.26	श्री मोहसीन अली पिता श्री एहसान अली	श्री हकीमुद्दीन पिता श्री मोहसीन अली	पंजीकृत क्रयनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र
18	34	गांधी चौक करबला	16034/01 20.03.26	श्री कैलाश चन्द्र अग्रवाल पिता स्व. हरीराम अग्रवाल	श्री तरूण कुमार अगवाल पिता स्व. सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल	रजिस्ट्री पत्र, डायवर्सन प्रपत्र, शपथ पत्र
19	30	गोडपारा	16034/02 20.03.26	श्री वासुदेव वाजपेई पिता श्री कुशेहर वाजपेई	01. श्री चन्द्रप्रकाश वाजपेई पिता श्री वासुदेव वाजपेई 02. श्री अनिल वाजपेई पिता स्व. ओमप्रकाश वाजपेई	नजुल अधिकारी का आर्डरशीट, नजुल शीट, शपथ पत्र
20	33	निराला नगर	16034/03 20.03.26	शुभश्री मर्केटाईल प्रा. लि. डायरेक्टर संतोष शर्मा पिता बजरंग लाल	श्री शिशिर सोनछात्रा पिता श्री शशिकांत सोनछात्रा	रजिस्ट्री पत्र, डायवर्सन की कॉपी, शपथ पत्र

वृक्षारोपण कार्य महान, एक वृक्ष सौ पुत्र समान
जोन आयुक्त, जोन क्र.05 न.पा.नि. बिलासपुर (छ.ग.)

शब्द पहेली - 6193

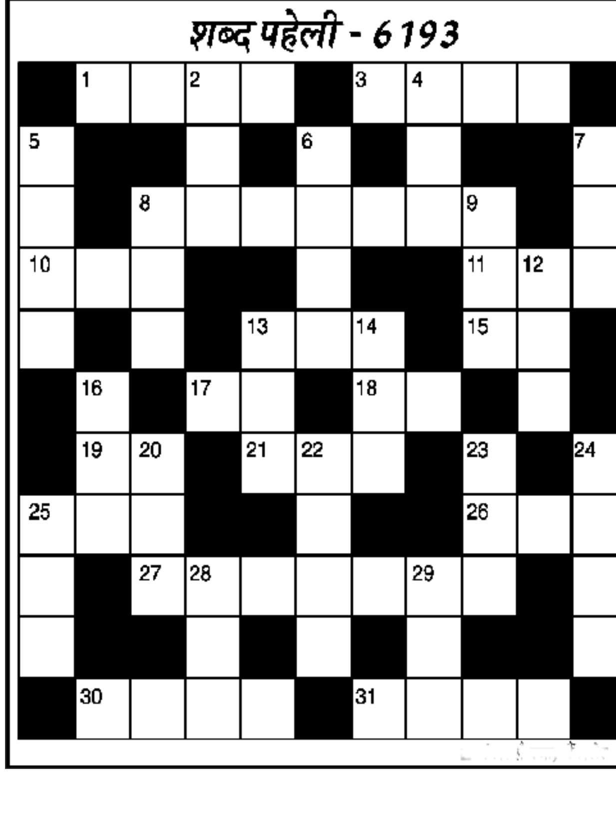

बाएँसेदाए±
1.बादलों की गड़गड़ाहट-4
3.नीरस, रस विहीन-4
8.नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10.कंठस्थ करना-3
11.जुड़वा-3
13.उक्ति,काव्य कृति-3
15.आने वाला दिन-2
17.पर,पराया,दूसरा-2
18.हाथ-2
19.कविता लिखने वाल-2
21.बजाने वाला-3
25.कक्ष,रूम-3
26.ठिकाना,नीड़-3
27.हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30.अभिप्राय-4
31.आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे
2.तरुणाई,लड़कपन-3
4.सहायता,आधार-3
5.बीताना,यापन करना-4
6.दिखावा,पाखंड-4
7.जरुरत,स्वार्थ-3
8.राजी करना-3
9.योग्य-3
12.मसलना-3
13.इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14.सुगंध,लास-3
16.रोकड़ राशि-3
20.रुकना, स्थिर होना-3
22.विजय दशमी -4
23.भोर,सवेरा-3
24.सना हुआ,तर-4
25.छल,धोखा-3
28.अनुकृति-3
29.श्रंगार -3

शब्द पहेली - 6192 का हल

सूडोकु नवताल - 6203

★★★★☆ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6202 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

प्रथम पृष्ठ का शेष

10 किलो का ट्यूमर,...

थी, जो धीरे-धीरे उसके जीवन का बोझ बनती चली गयी। मरीज के शरीर और जीवन के इस बोझ का दर्द डाक्टरों ने समझा और डाक्टरों ने उसकी सर्जरी की योजना बनाई।

इनकी भूमिका -

मरीज का क्लिनिकल मूल्यांकन, रेडियोलॉजिकल जांच, आवश्यक लैब परीक्षण, प्री-ऑपरेटिव असेसमेंट और बहु-विभागीय चिकित्सा तैयारी प्रारंभ की। इस ऑपरेशन को पूरा करने में जनरल सर्जरी की विभागाध्यक्ष डा मंजू सिंह एवं चिकित्सा अधीक्षक एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. संतोष सोनकर की प्रत्यक्ष भूमिका रहा। उनकी टीम में सीनियर सर्जन डॉ. राजेंद्र रात्रे, सीनियर सर्जन डॉ. मयंक भूषण मिश्रा एवं सीनियर रेजिडेंट डॉ. प्रेक्षा जैन ने प्रमुख भूमिका निभाई। चिकित्सकों के मुताबिक मेडिकल लिटरेचर एवं वर्तमान अभिलेखों के अनुसार, भारत में अब तक लगभग 8 किलोग्राम तक के ट्यूमर के सफल निष्कासन का उल्लेख मिलता है, जबकि विश्व स्तर पर लगभग 22 किलोग्राम तक के ट्यूमर के ऑपरेशन का अभिलेख उपलब्ध है। ऐसे में आंबेडकर अस्पताल में हुए इस ऑपरेशन को देश में सबसे बड़ा ट्यूमर निष्कासन का मामला माना जा सकता है।

00 निश्चेतना विभाग की अहम भूमिका-

इस ऑपरेशन को पूर्ण करने में निश्चेतना विभाग की भूमिका भी अहम रही। इतने बड़े और जटिल ट्यूमर के ऑपरेशन में मरीज की संपूर्ण शारीरिक स्थिरता बनाए रखना, ऑपरेशन के दौरान प्रत्येक चरण की सतत निगरानी करना तथा पोस्ट-ऑपरेटिव रिकवरी को सुरक्षित दिशा देना अत्यंत चुनौतीपूर्ण था। इस महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन डॉ. जया लालवानी एवं डॉ. प्रतिभा जैन शाह ने अपनी विशेषज्ञ सेवाओं के माध्यम से अत्यंत उत्कृष्ट ढंग से किया।

इनका कहना-

यह केवल एक जटिल सर्जरी नहीं, हमारे लिए यह एक मानवीय दायित्व था। मरीज पिछले लगभग 15 वर्षों से इस गंभीर समस्या के साथ जीवन जी रहा था।
- डा. मंजू सिंह, विभागाध्यक्ष, जनरल सर्जरी

साढ़े 10 किलो वजनी ट्यूमर का सफल ऑपरेशन संस्थान की विशेषज्ञता, टीमवर्क और समर्पित चिकित्सा सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह केवल एक चिकित्सकीय उपलब्धि नहीं, बल्कि सरकारी अस्पतालों की उच्चस्तरीय क्षमता को प्रदर्शित करता है।
- डा. संतोष सोनकर, चिकित्सा अधीक्षक, आंबेडकर अस्पताल\

पाकिस्तान में शांति...

मुताबिक, इस वार्ता में युद्ध को पूरी तरह खत्म करने, होर्मुज स्ट्रेट को लेकर सहमति बनाने और आगे के सुरक्षा ढांचे पर चर्चा की जा रही है। पाकिस्तान इस बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। इस राउंड टेबल मीटिंग में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, जेयर्ड कुशनर; ईरान के बाकर ग़ालिबाफ़, विदेश मंत्री अब्बास अराघची और पाकिस्तान की तरफ से आसिम मुनीर शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने शांति वार्ता का किया स्वागत-

इस बीच संयुक्त राष्ट्र ने इस पहल का स्वागत किया है। महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने दोनों पक्षों से अपील की है कि वे इस अवसर का उपयोग करते हुए स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में आगे बढ़ें। संयुक्त राष्ट्र ने जोर देकर कहा कि अंतरराष्ट्रीय विवादों का समाधान केवल कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत ही संभव है।

भारत को राहत-

'जग विक्रम' ने पार किया होर्मुज-

अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के अस्थायी संघर्ष विराम के बाद 'जग विक्रम' नामक भारतीय ध्वज वाले तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के जहाज ने होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर लिया है। अस्थायी संघर्ष विराम की घोषणा के बाद इस मार्ग से गुजरने वाला यह पहला भारतीय जहाज है। जहाज शुक्रवार रात से शनिवार सुबह के बीच इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरा और शनिवार दोपहर को पूर्व की ओर बढ़ते हुए, जलडमरूमध्य के पूर्व में ओमान की खाड़ी में स्थित था। मार्च की शुरुआत से अब तक यह फारस की खाड़ी से बाहर निकलने वाला नौवां भारतीय जहाज है, जबकि लगभग 15 भारतीय ध्वज वाले जहाज अभी भी क्षेत्र में रुके हुए हैं और आगे बढ़ने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

बीएसएफ जवान पर...

रहने वाले थे और 170 बटालियन बीएसएफ में तैनात थे। फरवरी में दो समुदायों के बीच हुई जातीय झड़पों के बाद कुकी गांव मोंगकोट चेपू और पड़ोसी तांगखुल नागा इलाके में गोलीबारी की घटनाएं होती रही हैं। यहां जारी तनाव के बीच पेट्रोलिंग कर रहे बीएसएफ जवान पर यह हमला हुआ है। मणिपुर पुलिस ने बयान जारी कर कहा कि हमले के पीछे शामिल लोगों को पकड़ने के लिए सुरक्षा बल इलाके में सर्च ऑपरेशन और तलाशी अभियान चला रहे हैं।

दो घंटे तक बोरे...

स्थानीय नागरिकों की संयुक्त प्रयास से खंडहर के पास से मासूम अचेत अवस्था में मिली। उसे तुंरत उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। जहां स्थिति खतरे से बाहर है। उतई पुलिस ने आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी बंजारी पारा, वार्ड 8 उतई निवासी धनेश्वर साहू उर्फ जनता साहू का शिनाख्त कर हिरासत में लिया। आरोपी के पास से पुलिस ने एक बोरा,तकिया कवर और घटना के समय पहने कपड़े को जब्त किया गया।

खंडहर के पास...

तरबतर थी और उसे सांस लेने में काफी तकलीफ हो रही थी। मासूम इतनी डरी हुई थी कि कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं थी। पुलिस मौके पर तुरंत पहुंची और मासूम को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। फिलहाल मासूम खतरे से बाहर है।

नौ राज्यों और तीन...

फाइनल वोटर लिस्ट जारी की गई। इसके पूरा होने के बाद 9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों की वोटर लिस्ट में कुल 6.08 करोड़ नाम कम हुए हैं। उत्तर प्रदेश में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के बाद राज्य की मतदाता सूची से 2.04 करोड़ से अधिक लोगों के नाम हटा दिए गए हैं। अंतिम सूची जारी होने के बाद प्रदेश में कुल मतदाताओं की संख्या 13.39 करोड़ दर्ज की गई है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, इस प्रक्रिया के दौरान 84 लाख से अधिक नए मतदाताओं को जोड़ा गया है, जिससे कुल मतदाताओं की संख्या बढ़कर 13,39,84,792 हो गई है। इनमें 7,30,71,071 पुरुष (लगभग 54 प्रतिशत), 6,09,09,525 महिलाएं (45.46 प्रतिशत) और 4,206 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैं। आयोग की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक 27 अक्टूबर, 2025 को जारी की गई मतदाता सूची में राज्य में 15.44 करोड़ मतदाता थे। छह जनवरी को प्रकाशित सूची में यह संख्या घटकर 12,55,56,025 रह गई थी। इस सूची में 6.88 करोड़ पुरुष मतदाता, 5.67 करोड़ महिला वोटर और तृतीय लिंग के 4,119 वोटर शामिल थे। दावों और आपत्तियों की प्रक्रिया पूरी होने के बाद, अंतिम सूची में अनंतिम की तुलना में कुल 84,28,767 वोटरों की बढ़ोतरी हुई है। इसमें 42,27,902 पुरुष वोटरों, 42,00,778 महिला वोटरों और 87 तृतीय लिंग के वोटरों की बढ़ोतरी शामिल है। आंकड़ों के मुताबिक, लिंगानुपात में सुधार हुआ है। प्रति 1,000 पुरुषों पर महिला मतदाताओं की संख्या 824 से बढ़कर 834 हो गई है, हालांकि एसआईआर की प्रक्रिया से पहले यह अनुपात 877 था। अनंतिम सूची के दौरान महिलाओं के नाम अधिक हटाए जाने से इसमें गिरावट आई है। मतदाता सूची में 18-19 आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जो बढ़कर 17,63,360 हो गई है। यह अनंतिम सूची की तुलना में 14,29,379 की बढ़ोतरी है। जिलों के स्तर पर लखनऊ में सबसे अधिक 9.14 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए गए। इसके बाद प्रयागराज, कानपुर नगर, आगरा और गाजियाबाद का स्थान रहा।

केरल-तमिलनाडु में महिला वोटर ज्यादा तो यूपी में कम-

केरल इकलौता ऐसा राज्य रहा, जो वोटरों के नाम कटने के मामले में दहाई के अंक तक नहीं पहुंचा। यहां पर केवल 2.7 फीसदी वोटरों के नाम काटे गए। एसआईआर 2.0 के मुताबिक, तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी और गोवा में महिला वोटर्स की संख्या काफी ज्यादा रही। यहां लिंगानुपात भी ज्यादा है। वहीं, यूपी इस मामले में सबसे निचले पायदान पर रहा।

हेलीपैड की जगह...

नासिक से पुणे के खानवडी में एक जिला परिषद स्कूल के उद्घाटन कार्यक्रम के लिए जा रहे थे। लैंडिंग के दौरान पायलट ने बड़ी चूक की और हेलीपैड की जगह स्कूल के पास स्थित पार्किंग क्षेत्र में हेलीकॉप्टर उतार दिया। इस अचानक हुई लैंडिंग से कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों के बीच डर का माहौल बन गया।

अजित पवार का प्लेन क्रैश में हो गया था निधन-

छगन भुजबल जिस एनसीपी पार्टी से आते हैं, उसी पार्टी के प्रमुख अजित पवार का निधन प्लेन क्रैश में हो गया था। अजित पवार का विमान 28 जनवरी को बारामती में क्रैश हो गया था। इस हादसे में अजित पवार के साथ-साथ 5 लोगों का निधन हो गया था। उनके विमान ने मुंबई से उड़ान भरी थी और बारामती में लैंडिंग से पहले ही क्रैश हो गया था।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

Sai Care Hospital श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सामेवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय: शाम 6 बजे से 7 बजे तक
उपलब्ध सेवाएं: कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डायबिटीज (मधुमेह) उपचार, लिवर व किडनी रोग, पाइल्स (बवासीर) का ऑपरेशन, थाइरॉयड सर्जरी, हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप), ब्रेस्ट लंप / ट्यूमर सर्जरी
आयुष्मान कार्ड द्वारा नि:शुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

JHAIGO Cream झाईगो 5+1
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं? चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- गार्ड चाहिए (1) सिरगिट्टी हेतु ड्यूटी 12घंटे वेतन 11000 (2) कोनी हेतु ड्यूटी 8घंटे वेतन 10000 (3) सरकंडा हेतु ड्यूटी 8घंटे 10000, सम्पर्क करें- एस.एस. सिक्युरिटी बिलासपुर 79746 91463 (40525)

आवश्यकता है- सीसीटीवी कैमरा की वायरिंग एवं फिटिंग हेतु युवकों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- पारस इन्टरप्राइजेस, GF-26, अम्बे अंजनी ई-प्लाजा, सीएमडी कॉलेज चौक, लिंक रोड बिलासपुर 9425530470, 9826598526 (40526)

आवश्यकता है- फर्नीचर दुकान में कार्य करने हेतु सेल्समैन की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार कार्य का समय सुबह 9:30 से रात 9 तक सम्पर्क करें- विश्वकर्मा फर्नीचर 27खोली चौक बिलासपुर 9827168412 (40527)

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में काम करने हेतु लड़के/ लड़कियों एवं सेल्समैन की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- हरीरामानी एण्ड सन्स मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 9329292940 (40529)

आवश्यकता है- मेडिकल एजेंसी में काम करने के लिए अनुभवी लड़के एवं लड़कियों की वेतन योग्यतानुसार संपर्क करे 8319926943, 93298 77785 (40532)

आवश्यकता है- मेडिकल एजेन्सी में कार्य करने हेतु युवक, युवतियां चाहिए। आधार कार्ड, रिज्यूमे सहित सम्पर्क करें- एकता मेडिकल एजेन्सी, गंगा नगर फेस-II, शिव मन्दिर के पास, मंगला चौक, बिलासपुर 83196 75178, 9407600099 (40521)

आवश्यकता है- कैफे में कार्य करने हेतु युवक/ युवती की आवश्यकता है। वेतन 6500 से 8000/- सम्पर्क करें- (12बजे के बाद) बूबेरी कैफे, एम्बियन्स बिजनेस पार्क, सीएमडी कॉलेज के सामने, 7987926453, 913125 6249 (40531)

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित कंस्ट्रक्शन कम्पनी में नहर कार्य हेतु कटघोरा में सिविल इंजीनियर, साइट सुपरवाइजर एवं जेसीबी ऑपरेटर, एजाक्स ऑपरेटर की तत्काल आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9926900549 (40528)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन 6000 से 10000 सम्पर्क करें- जयपुर मूर्ति भंडार रघु विहार, संजोग वाटिका के पास अशोक नगर सरकंडा बिलासपुर (40539)

आवश्यकता है- फैक्ट्री में लोडिंग, अनलोडिंग हेतु हमाल एवं एक ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री शारदा इण्डस्ट्रीज, इण्डस्ट्रीयल एरिया, तिफरा बिलासपुर 78699 19759 (40530)

आवश्यकता है- चिल्हर दवाई दुकान में कार्य करने हेतु कर्मचारियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- विनीता मेडिकल स्टोर्स सीपत चौक सरकंडा बिलासपुर 9827974278 (40536)

आवश्यकता है- रायपुर, बिलासपुर, सिमगा, तिल्दा, भाटापारा एवं अन्य संस्थानों हेतु लम्बे तगड़े सुरक्षागार्ड की आवश्यकता है वेतन 15000 Pf+ ESIC, सम्पर्क करें- ए1 जीत सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड बिलासपुर 99812 10369 (40534)

आवश्यकता है- एक अनुभवी और भरोसेमंद महिला कुक (रसोइया) की आवश्यकता है। काम का समय- सुबह 8:30 से 10:30 बजे, शाम 5:30 से 8:30 बजे, काम- रोजाना घर का खाना बनाना किचन का बेसिक काम संभालना स्थान- नर्मदा नगर, मंगला चौक के पास, बिलासपुर सम्पर्क करें- 98271 66239 (40520)

आवश्यकता है- माल लोडिंग एवं अनलोडिंग कार्य करने के लिए मेहनती लड़कों की आवश्यकता है वेतन 9000 रुपए प्रतिमाह सम्पर्क करें- बिलासपुर 6267854588 (40524)

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु मेहनती युवती, युवक (हमाल) की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- राधेश्याम स्टेशनरी मार्ट सरजू बगीचा तेलीपारा रोड बिलासपुर (40503)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में कार्य हेतु अनुभवी कर्मचारी की आवश्यकता है। संपर्क , गोयल मेडिकल स्टोर,CIMS गेट के सामने, बिलासपुर 9303112340, 9300674797 (दोपहर 12 से शाम 5 बजे तक काल करें) (40515)

आवश्यकता है- रेलवे ऑफिस की गाड़ी चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है इच्छुक व्यक्ति ती ही सम्पर्क करें- S.K. Tour & Travels रामकृष्ण नगर मोपका बिलासपुर 78790 06223, 7000103649 (40508)

आवश्यकता है- ट्रीटोन होटल रायपुर, रावतपुरा यूनिवर्सिटी रायपुर में सुपरवाइजर, सुरक्षागार्ड चाहिए ऊंचाई पुरुष 5'-6" लड़कियां 5'-5" वेतन सुपरवाइजर 18000, सुरक्षागार्ड 15000 अनुभवी को प्राथमिकता पता- एक्समैन सिक्युरिटी सर्विस वैशाली टॉवर हेमू नगर बिलासपुर 9754713125, 8349974442 (40514)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल्स दुकान में Marg साफ्टवेयर अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर (लड़की) एवं साईट कार्य हेतु वाईरिंग, फिटिंग इलेक्ट्रीशियन लड़के चाहिए सम्पर्क करें- अरूण इलेक्ट्रीकल्स चन्द्रा पार्क के सामने बृहस्पति बाजार बिलासपुर 7869102080 (40516)

आवश्यकता है- तत्काल भर्ती फिल्ड ऑफिसर- 10 (स्वयं की बाइक) सुपरवाईजर- 10 सुरक्षागार्ड- 50, (कार एवं कम्प्यूटर चलाने वाले को प्राथमिकता) बिलासपुर रायगढ हेतु। पता- बॉस सिक्यूरिटी बालाजी प्लाजा शॉप नं. 210 विधानी चौक हेमू नगर बिलासपुर 9111000881, 9303280228, 89628 15185 (40470)

आवश्यकता है- एलआईसी एजेन्ट बनिये, शुरु करिए स्वतंत्र कैरियर महिला पुरुष उम्मीदवार हेतु असीमित शानदार आय, रायल्टी इनकम गृह ऋण विदेश यात्रा ग्रेच्युटी फुल/ पार्ट टाइम, (10वीं) सम्पर्क- अजय कुमार सिंह 9893311075 (40517)

आवश्यकता है- सीबीएसई स्कूल में PGT, TGT, PRT, Pre Primary (बीएड अनिवार्य) टीचर्स एवं आया दीदी, सिक्युरिटी गार्ड की आवश्यकता है। सम्पर्क- मॉडर्न एजूकेशनल एकेडमी, आरएसबी कम्पाउन्ड नया सरकण्डा, बिलासपुर 91091 39971, 9301275222 (40510)

आवश्यकता है- टू व्हीलर शोरूम के लिए सेल्स कर्मचारी (फील्ड वर्क) और बैक ऑफिस के लिए जेंट्स स्टाफ की आवश्यकता है दो साल का अनुभव अनिवार्य है सम्पर्क 8458912345 (40511)

आवश्यकता है- खेती बाड़ी का कार्य करने हेतु फैमिली वाले कि आवश्यकता है जो वहां रहकर कार्य कर सके दोनों मिलाकर तनख्वा- 14000 महीना सम्पर्क करें- 97542 93974 (40497)

आवश्यकता है- टिफिन वितरण हेतु फुल टाइम लड़कों की आवश्यकता है। अनुभवी उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। वाहन हम देंगे। इच्छुक उम्मीदवार तुरन्त सम्पर्क करें- 9827980340 (मेहनती, जिम्मेदार युवाओं का स्वागत है) (40518)

आवश्यकता है- कंस्ट्रक्शन कम्पनी में कार्य करने हेतु मैनेजर 2पद (जिन्हें सिविल वर्क, हिन्दी टाइपिंग, रियल स्टेट कार्य का अनुभव हो) वेतन- योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- शाम 4 से 7बजे तक 9993243498 (40504)

आवश्यकता है- होटल में साफ सफाई हेतु लड़के एवं किचन कार्य हेतु कुक चाहिए रहने खाने की सुविधा उपलब्ध सम्पर्क करें- मौसाजी होण्डा शोरूम के पास नूतन चौक बिलासपुर 9522144493, 9131668366, 8759333338 (40499)

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में माल निकालने, जमाने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन 8000, सम्पर्क करें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा, बिलासपुर 7430000011 (40489)

आवश्यकता है- Security Guard की आवश्यकता है लोकेशन- आल छत्तीसगढ़, ओड़िशा में 100 गार्ड की आवश्यकता है। गार्ड पेमेन्ट- 15000 PF+ ESIC+ Room free+ Canteen डाक्यूमेन्टस आधार, पैन, मार्क शीट, दो पासपोर्ट फोटो पास बुक सम्पर्क करें- VF Security Service Pvt. Ltd. Raipur 78801 90113, 7880190114, 7880190115, 9039990116 (40495)

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में सेल्समैन एवं गोडाउन हेतु अनुभवी व्यक्ति चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार बायोडाटा, आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- नेशनल मेडिकोज, नागरिक सहकारी बैंक के पास, बृहस्पति बाजार 8098797774 (40498)

आवश्यकता है- अस्पताल में जनरल ड्यूटी कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है। पूर्ण बायोडाटा के साथ सम्पर्क करें- आशीर्वाद लेजर फेको नेत्र चिकित्सालय, आईजी ऑफिस रोड नेहरु चौक बिलासपुर 07752402070 (40501)

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड गनमैन, सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फील्ड ऑफिसर कामवाली बाई। वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री पता- श्रीसांई सिक्युरिटी, सांई निवास कॉम्प्लेक्स, जेजे हॉस्पिटल के बाजू तोरवा बिलासपुर 93011 86703, 8253010291, 8085233213, 72230 26026 (40406)

आवश्यकता है- तखतपुर (बिलासपुर) स्थित राइस मिल में न्यूनतम 10 वर्ष अनुभवी मशीन ऑपरेटर (मिस्त्री) की आवश्यकता है जिसे अच्छा वेतन एवं रहने की व्यवस्था प्रदान की जाएगी सम्पर्क करें- 8754507712, 79873 09303 (40467)

आवश्यकता है- प्लास्टिक पाइप एवं प्लास्टिक सामान पेकींग कार्य करने हेतु रहकर काम करने वाले लड़को की आवश्यकता हैं। रूम/बिजली सुविधा फ्री, पता- बंजारी मंदिर के पास, रावांभाटा, रायपुर, मो. 8011346678 (072)

आवश्यकता है- नर्सिंग होम में कार्य करने के लिए ट्रेण्ड नर्स व कम्पाउंडर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें-जय अम्बे नर्सिंग होम रिंग रोड नम्बर-2 महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 9981970853 (40496)

आवश्यकता है- श्याम इंटरप्राइजेज में पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य हेतु युवक, युवती की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार (समय 10am से 7pm) सम्पर्क करें- साइंस कॉलेज सरकंडा बिलासपुर 9238216900 (40506)

बेचना है

बेचना है- प्रीकास्ट रेडिमेड कांक्रीट बांउड्रीवॉल का प्लांट चालू हालत में शीघ्र बेचना है। इच्छुक सम्पर्क करें- 88786 01222, 7000241515 (40523)

बेचना है- सकरी मेन रोड, जैन इंटरनेशनल स्कूल के पास विकसित कॉलोनी में कमर्शियल शॉप्स। बेहतर रेन्टल इंकम। मुख्य सड़क से लगी पॉश कॉलोनी 3BHK प्रीमियम लग्जरी हाउस बेचना है सुविधाएं अंडर ग्राउंड इलेक्ट्रीसिटी, 24×7 CCTV, क्लब हाउस, गार्डन, मन्दिर सीमित यूनिट्स सम्पर्क- 7799957000, 8109412221 (40424)

बेचना है- बिलासपुर में प्राइम लोकेशन महाराणा प्रताप चौक भाटिया पेट्रोल पम्प के सामने रोड से 100मी. दूर, डबल रोड का 2BHK मकान बेचना है (प्लॉट साइज 22×45) सम्पर्क करें- 6265041277, 83619 97770 (40507)

बेचना है- जांजगीर पुटपुरा चौक नेशनल हाईवे मार्ग में चन्देल पेट्रोल पम्प से आगे 50 फुट चौड़ा, 13 डिसमिल जमीन शीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 9009459938, 97540 94457 (40474)

बेचना है- 22×136 कॉर्नर प्रॉपर्टी 120 फीट मेन रोड में नीचे दुकान ऊपर मकान, डबल स्टोरी आरके पेट्रोल पम्प से 50 मीटर चाटीडीह वाली रोड में बेचना है सम्पर्क करें- 7987500965, 83498 09274 (40512)

बेचना है- (1) सकरी मेन रोड पूर्ण विकसित कॉलोनी सागर होम्स में 33×55= 1855 वर्गफीट डबल रोड प्लॉट (2) गीतांजली सिटी फेज-II में 30×50= 1500 वर्गफीट प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 9827164787 (40513)

बेचना है- नरगोड़ा सीपत में 0.049 हेक्टेयर भूमि बेचना है। केवल खरीदार ही सम्पर्क करें- 9907147488, 76468 19855, 9826174852 (40502)

बेचना है- शहर के प्राइम लोकेशन मंगला में डबल मंजिल मकान एवं व्यापार विहार में सेमी कमर्शियल दुकान अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 9301227779 (40538)

किराया

किराया- सकरी मेन रोड पर आत्मानन्द स्कूल के सामने नवनिर्मित प्रथम तल पर दो दुकान 13×26 कोचिंग, क्लीनिक, ऑफिस इत्यादि हेतु किराये से देना है। पर्याप्त पार्किंग सुविधा सम्पर्क करें- 9713666001 (40537)

किराया- महामाया विहार कॉलोनी में सर्व सुविधा युक्त 2BHK मकान किराए से देना है सरकारी कर्मचारी वाले को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 7869797088, 87709 39973 (40535)

किराया - बिलासपुर शहर के सिम्स चौक जूनी लाइन मोड़ पर स्थित 10×15 की डुप्लेक्स दुकान फर्निचर सहित एवं कोसा क्रियेशन शोरूम के ऊपर प्रथम तल पर 1250 वर्गफुट हॉल टायलेट सहित किराये से देना है। व्यवसाय हेतु इच्छुक सम्पर्क करें- 9340664511 (40500)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

Medicare Specialists

यौन रोग व यौन कमजोरी
प्रायः सदियों से लोग जानते हैं कि जब कोई रोग किसी भी उपाय से ठीक नही होता वो केवल आयुर्वेद के द्वारा ही जड़मूल से ठीक होता है लेकिन कुछ लोगों के मति मारे जाने के कारण अपने को संकट में डाल लेते हैं।
क्या आपको किसी प्रकार के वायरस (बैक्टिरिया) संक्रमण रोग है जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी छाले, चमड़ी का फटना, खुजली, लाल होना, पेशाब में जलन या पीप आना, मुंह में छाले, पेट के दाहिने तरफ दर्द हो तो यह हर्पिस रोग हेपेटाइटिस (ABC), सिफलिस, गौनोरिया (सुजाक) रुबेला या एच.आई.वी. (HIV, AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं। तुरंत खून की जाँच करायें। यदि खून का रिपोर्ट ठीक भी है और आप रोग से परेशान है तो भी इसका स्थायी जड़ से ईलाज केवल आयुर्वेद के रस-रसायन में ही संभव है अन्य कोई उपाय नहीं है इसी को इम्यूनोथैरिपी कहा जाता है। ये गुप्त रोगों के नीम हकीमों से बचकर रहें तो इनकी झूठी बातें एवं निराशा से बच सकते हैं।
वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर क्लिनिक आई.एस. ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी.के. अग्रवाल बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659,93039-48500 96177-89223,93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081 9083218330

फायनेंस

फायनेंस - प्रगति फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस , पर्सनल, कृषि महिला समूह , मकान दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधार कार्ड , पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज), (30% छूट) 7489545029 (1382)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए- श्री धीरेन्द्र सिंह ठाकुर (आयु 47), स्वस्थ, जिम्मेदार एवं पारिवारिक प्रवृत्ति के वर हेतु सुशील, सुसंस्कृत एवं समझदार वधू चाहिए। जाति बन्धन नहीं। सम्पर्क करें- +91 9425582641 (630)

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82 हाइट 5'-11" एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दू उच्च जाति मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें 9131453175

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

नगर विकास के क्रम में
10 करोड़ रुपये से भी अधिक
राशि के विभिन्न विकास कार्यों का
लोकार्पण एवं
भूमिपूजन
दिनांक : 12 अप्रैल 2026 | समय : सुबह 11 बजे से...
स्थान : पुरूषोत्तम नगर, थानखम्हरिया (छ.ग.)
इस शुभ अवसर पर
छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम
रंग झरोखा
में आप सादर आमंत्रित हैं...
दुष्यंत हरमुख कृत
रंग झरोखा
मुख्य स्वरः रिंकी देवांगन
पार्षदगण :
अनिता चंदन अग्रवाल
अध्यक्ष -नगर पंचायत, थानखम्हरिया
चंदन अग्रवाल
पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष-राइस मिल एसोसिएशन छत्तीसगढ़
युवा समाजसेवी एवं भाजपा कार्यकर्ता
बसंत अग्रवाल
युवा समाजसेवी एवं भाजपा कार्यकर्ता
विनीत : समस्त भाजपा कार्यकर्ता, थानखम्हरिया, जिला - बेमेतरा

तरकश

संजय के दीक्षित

डिप्टी सीएम की वैकेंसी?

राजनीतिक गलियारों में जैसी की चर्चाएं हैं, 3 मई के बाद छत्तीसगढ़ में एक डिप्टी सीएम की वैकेंसी हो सकती है। 3 मई को पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की काउंटिंग है। इसके बाद बीजेपी नितिन नबीन की टीम बनाने पर अपना फोकस करेगी। यूपी में अगले साल इलेक्शन है और वहां ब्राम्हण समेत कई जातियां बीजेपी से बहुत खुश नहीं है। इसलिए टीम नितिन में सबको साधने का प्रयास किया जाएगा। बहरहाल, बात छत्तीसगढ़ में डिप्टी सीएम की वैकेंसी की...तो डिप्टी सीएम के करीबी लोग भी तस्दीक कर रहे हैं कि भाई साब को राष्ट्रीय महासचिव बनाया जाएगा। छत्तीसगढ़ में फिलवक्त दो डिप्टी सीएम हैं। एक अगर दिल्ली गए तो फिर सिंगल डिप्टी सीएम बच जाएंगे। सियासी संतुलन के हिसाब से सरकार भी नहीं चाहेगी कि एक उप मुख्यमंत्री रहें। इसलिए, जुलाई में संभावित मंत्रिमंडल की सर्जरी में किसी नए या पुराने में से एक को डिप्टी सीएम बनाया जाएगा। मगर तब, जब भाई साब जनरल सिकेट्री बन जाएं।

जनरल सिकेट्री के मायने

वैसे तो बीजेपी की नेशनल बॉडी में पूर्व मंत्री लता उसेंडी के शामिल होने की संभावना अधिक है। वे 10 साल तक मिनिस्टर रही हैं। जगतप्रकाश नड्डा की टीम में भी रहीं। उनके बनने से दो कोटे की पूर्ति होगी। ट्राईबल और महिला। बहरहाल, डिप्टी सीएम के नितिन नबीन की टीम में शामिल होने की चर्चाएं हैं तो सवाल भी उठते हैं कि उप मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ भाई साब दिल्ली में इतनी उत्सुकता क्यों दिखा रहे? इसका जवाब है कि उनका एज अभी काफी कम है। दिल्ली के क्लोज अगर हो गए तो राज्य में बड़े एक्सपोजर के साथ कभी भी वापसी हो सकती है। राज्य में नहीं भी आए, दिल्ली की सियासत में मामला ठीकठाक जम गया तो वो भी बुरा नहीं...ओजस्वी वक्ता तो हैं ही इंग्लिश भी ठीकठाक झाड़ लेते हैं। इसलिए, डिप्टी सीएम साब भी जनरल सिकेट्री बनने की चर्चाओं को खारिज नहीं कर रहे।

जुलाई में सर्जरी

छत्तीसगढ़ समेत पांच राज्यों में नवंबर 2023 में विधानसभा चुनाव हुए, जुलाई में वहां ढाई साल पूरा हो जाएगा। अब बाकी राज्यों के बारे में गारंटी के साथ कुछ नहीं कहा जा सकता मगर छत्तीसगढ़ में मंत्रियों के जो हालात है, उससे मेगा सर्जरी अवश्यंभावी है। जुलाई में ही सर्जरी इसलिए कि 3 मई को काउंटिंग के बाद करीब 15 मई तक बीजेपी सरकार बनाने और जश्न सेलिब्रेट करने में व्यस्त रहेगी। 15 मई के बाद टीम नितिन नबीन बनाने पर मंथन प्रारंभ होगा। ऐसी संभावना है कि मई लास्ट या जून फर्स्ट वीक तक राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन कर लिया जाएगा। इसके बाद फिर केंद्र सरकार जिन राज्यों के ढाई साल कंप्लीट हो गए हैं, उस पर अपना ध्यान केंद्रित करेगी। केंद्र को इसमें ज्यादा वक्त नहीं लगेगा क्योंकि उसके पास पूरी रिपोर्ट है। छत्तीसगढ़ की आईबी तो और काफी एक्टिव है। यहां मंत्रियों के कारनामों की छोटी-से-छोटी सूचना भी मुख्यालय को भेजती है। लिहाजा, जुलाई में जो सर्जरी होगी, वो मेजर होगी। दावे तो ये किए जा रहे...आधा दर्जन से अधिक मंत्रियों को शानो-शौकत वाले लग्जरी बंगले से बोरिया-बिस्तर समेटना पड़ सकता है।

बेलगाम मंत्री, भ्रष्ट विभाग

छत्तीसगढ़ सरकार एक तरफ महिलाओं के उत्थान के लिए महतारी वंदन योजना चला रही है। हर महीने उनके खाते में नियम से हजार रुपए ट्रांसफर किया जाता है। दूसरी तरफ शर्मनाक स्थिति यह है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को साड़ी बांटने में डंडी मारी जा रही। हद है...महिला बाल विकास विभाग ने साढ़े पांच की जगह पांच मीटर की साड़ी सप्लाई कर दी। सरकार को इसमें कड़ा तेवर दिखा जिम्मेदारों को उल्टा लटकाना चाहिए। क्योंकि, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं सरकार और सत्ताधारी पार्टी के लिए ओपिनियन मेकर होती हैं। वैसे भी सरकार की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। आश्चर्य की बात कि कई बड़े और ऐतिहासिक सुधार के काम करने के बाद भी सरकार को उसका क्रेडिट नहीं मिल रहा तो उसकी मूल वजह करप्शन है और मंत्रियों का बेलगाम होना। बीजेपी के लोग भी मान रहे कि अगले दो-तीन महीने में अगर मंत्रिमंडल में सर्जरी नहीं हुई तो फिर 2028 के विधानसभा चुनाव में बड़ा संकट खड़ा हो जाएगा। आखिर, मंत्री और नेता अपने हाथों ही पार्टी और सरकार की लंका कर देंगे तो मोदी, अमित शाह और नितिन नबीन कितना क्या कर लेंगे?

डीजीपी और कांटे का टक्कर

लास्ट संडे को छुट्टी का दिन होने के बाद भी गृह विभाग के मुलाजिमों को शाम तक मंत्रालय में बिठाकर रखा गया कि पूर्णकालिक डीजीपी का आदेश निकालना है। मगर टक्कर इतना जोरदार है कि सिस्टम किसी एक नाम पर फैसला नहीं कर पाया। डीजीपी के दावेदारों में एक यूपी के ठाकुर हैं तो दूसरे राजस्थान के वैश्य। जाहिर है, दोनों अपनी तरफ से कोशिशें कम नहीं कर रहे होंगे। मगर सरकार बड़ी दुविधा में है। किसके नाम पर मुहर लगाएं...एक है तो वो कुछ सुनता नहीं...सिस्टम को चिंता यह भी खाये जा रही है। सियासी दृष्टि से भी दोनों कमजोर नहीं। वैसे भी ठाकुर और वैश्य कम्यूनिटी में ये अच्छी बात है कि उनके लिए समाज फर्स्ट होता है, पार्टी सेकेंड्री। सो, मुकाबला टाईट है। हालांकि, एक बात तय है कि दोनों में से डीजीपी वही बनेगा, जिसके माथे पर लिखा होगा। भला अमरनाथ उपध्याय ने कभी कहां सोचा था कि गिरधारी नायक जैसे आईपीएस के होते वे कभी डीजीपी बन जाएंगे। मगर ऐसा हुआ...29 साल की सर्विस में एडीजी होते हुए वे डीजीपी बन गए थे। उनके लिए तत्कालीन मुख्य सचिव सुनिल कुमार प्रगट हो गए थे। उन्होंने अशोक जुनेजा को हाथोंहाथ लेटर लेकर दिल्ली भेजा और एमएचए सिकेट्री को फोन कर उसी दिन शाम को 29 साल की सर्विस में डीजीपी बनाने का परमिशन ले लिया। तो अतीत में ऐसा भी हुआ है, इसका स्मरण रखना चाहिए।

2001 बैच तक दावेदार

छोटे राज्यों में अफसरों की कमी की वजह से भारत सरकार ने डीजीपी बनाने के लिए आईपीएस की 30 बरस की सर्विस को पांच साल कम कर 25 साल कर दिया है। छत्तीसगढ़ सरकार अगर इसे फॉलो करें तो 2001 बैच तक के आईपीएस अधिकारी डीजीपी के लिए दावेदार हो जाएंगे। याने एसआरपी कल्लूरी से लेकर प्रदीप गुप्ता, विवेकानंद, दीपांशु काबरा, अमित कुमार और डॉ0 आनंद छाबड़ा तक। तब सरकार के पास ढेरो विकल्प होते। मगर सरकार ने डीजीपी के पेनल के लिए 30 साल की सर्विस को मान्य करते हुए तीन अफसरों के नाम ही यूपीएससी को भेजे थे। इनमें से यूपीएससी ने दो के ही पेनल भेजे।

एडीजी के नीचे एडीजी

अफसरों की सरकार से नाराजगी कोई नई बात नहीं। हर टेन्योर में कुछ अफसर सिस्टम के निशाने पर होते हैं। मगर पोस्टिंग प्रोटोकॉल में वह शो नहीं होनी चाहिए। उदाहरण के लिए दीपांशु काबर और डॉ0 आनंद छाबड़ा की पोस्टिंग को लें। दीपांशु काबरा पीएचक्यू में एडीजी ट्रेनिंग हैं और प्रमोट हुए एडीजी छाबड़ा भी एडीजी ट्रेनिंग। याने एडीजी के नीचे एडीजी। कायदे से ऐसा होना नहीं चाहिए। सिस्टम चाहे तो भले ही पोस्टिंग न दें, मगर सीनियर, जूनियर को एक ही पद पर नहीं बिठाना चाहिए।

वायरल रील्स और उठते सवाल

छत्तीसगढ़ की पुलिस बिरादरी में एक रील्स बड़ी वायरल है। उसमें इंटरव्यू बोर्ड पुलिस की नौकरी के लिए अप्लाई किए अभ्यर्थी से पूछा...पुलिस के लिए 150 रुपए पौष्टिक भत्ता मिलता है, आप पुलिस में हैं तो इसे कैसे मैनेज करेंगे? जवाब बड़ा इंटरेस्टिंग और सिस्टम पर करारा प्रहार करने वाला है। अप्लीकेंट बोला, सर...150 रुपए के हिसाब से एक दिन का पांच रुपए हुआ। पांच रुपए का एक नींबू आता है, रोज उसमें नमक लगाकर चाट लेंगे। इससे विटामिन सी की पूर्ति हो जाएगी फिर आयोडिन मिलेगा, इससे पुलिस वालों को घेंघा रोग नहीं होगा। हालांकि, रील्स बनाने वाले ने त्रुटिवश इसमें 50 रुपए बढ़ा दिया है। वास्तव में हमारे जवानों को पौष्टिक भत्ते के रूप में मिलता 100 रुपए है। मध्यप्रदेश के दौर में तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह ने 1982 में पुलिस वालों के लिए 100 रुपए पौष्टिक भत्ता शुरू किया था। और 44 साल बाद भी यह 100 से बढ़ा नहीं। जबकि, यूपी में 5000 और पंजाब में 6000 पौष्टिक भत्ता मिलता है। जाहिर है, पुलिस की नौकरी सबसे टफ है। बरसात हो या चिलचिलाती धूप, या हाड़ कंपाने वाली ठंड...पुलिस को मुस्तैद रहना होता है। मंत्री, मिनिस्टर या बड़े लोगों का वीवीआईपीनेस भी वर्दीधारियों की संख्या के चलते ही प्रगट होता है फिर भी ये हाल? छत्तीसगढ़ में अभी तक 11 डीजीपी रह चुके। मगर किसी ने भी कोई जवानों के लिए एफर्ट नहीं दिखाया। दरअसल, आईपीएस और स्टेट पुलिस सर्विस वालों को काजू-बादाम जैसे पोष्टिक चीजें खरीदनी नहीं पड़ती, इसलिए वे पौष्टिक पदार्थो के रेट से वाकिफ नही होते। इसलिए, उन्हें जवानों की चिंता भी नहीं होती। अर्जुन सिंह राजा होकर भी संवेदनशील थे, ये अलग बात है। बहरहाल, प्रभारी डीजीपी अरुणदेव गौतम को पौष्टिक भत्ता बढ़ाने के लिए अब तक के सबसे तेज-तर्रार गृह मंत्री विजय शर्मा से बात करनी चाहिए। क्योंकि, बाकी डीजीपी के समय विजय शर्मा जैसा कोई ताकतवर गृह मंत्री नहीं रहा।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. क्या 2010 बैच का कोई आईएएस अफसर भी डेपुटेशन पर दिल्ली जा रहा है?
2. छत्तीसगढ़ के एक मिनिस्टर का नाम बताइये, जिन्हें कुछ समझ में नहीं आता, उनके विभाग सिकेट्री चला रहे हैं?

रायपुर। कबीर नगर थाना में एक युवक ने एक अन्य के खिलाफ एम्स का फर्जी डॉक्टर बन कर मेडिकल काउंसिल रजिस्ट्रेशन कराने का झांसा देकर 20 हजार रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। रुझान जायसवाल ने आदित्य अग्निहोत्री उर्फ आदित्य मिश्रा उर्फ श्रीधर राउत के खिलाफ ठगी करने की शिकायत दर्ज कराई है।

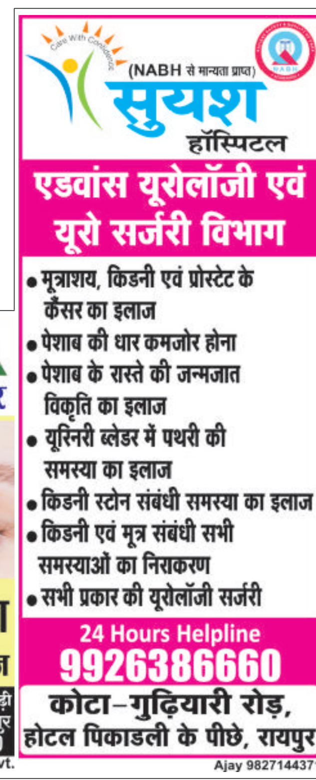

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com